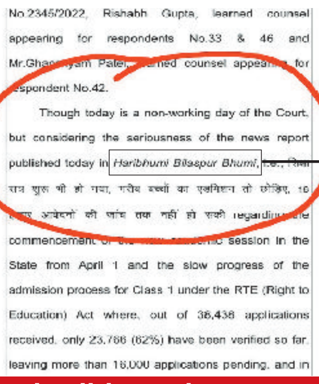
No.2345/2022, Rishabh Gupta, learned counsel appearing for respondents No.33 & 46 and Mr.Ghanshyam Patel, learned counsel appearing for respondent No.42.

Though today is a non-working day of the Court, but considering the seriousness of the news report published today in Haribhumi Bilaspur Bhumi, i.e., शिक्षा सत्र शुरू भी हो गया, गरीब बच्चों का एडमिशन तो छोड़िए, 16 हजार आवेदनों की जांच तक नहीं हो सकी regarding the commencement of the new academic session in the State from April 1 and the slow progress of the admission process for Class 1 under the RTE (Right to Education) Act where, out of 38,438 applications received, only 23,766 (62%) have been verified so far, leaving more than 16,000 applications pending, and in

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 5 अप्रैल 2026

छुट्टी के दिन खुला हाईकोर्ट, हरिभूमि की खबर पर सरकार से मांगा जवाब

प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर, बच्चों की पढ़ाई होगी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में शिक्षा के अधिकार के तहत कक्षा पहली में प्रवेश प्रक्रिया की धीमी रफ्तार को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। गंभीर स्थिति को देखते हुए कोर्ट ने छुट्टी के दिन शनिवार (4 अप्रैल 2026) को विशेष सुनवाई की और मामले में स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) लिया। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसमें बताया गया कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत 1 अप्रैल से हो चुकी है, लेकिन आरटीई के तहत मिलने वाले दाखिलों की प्रक्रिया बेहद धीमी है। इससे गरीब छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो सकती है।कोर्ट ने छुट्टी के दिन शिक्षा विभाग के अधिकारियों को तलब किया और जवाब मांगा। अगली सुनवाई 8 अप्रैल को होगी।

शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अधिकारियों से पूछा कि लापरवाही क्यों बरती जा रही है। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव को ▶▶| शेष पेज 6 पर

क्या है मामला

18 जून 2025 को सचिव, आदिम जाति विकास विभाग, रायपुर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, गौरेला, जिला- जीपीएम के पद पर पदस्थ किया गया था। जून 2025 से जनपद पंचायत, गौरेला में सीईओ के पद कार्य कर रहीं थी। इसी दौरान 11 मार्च 2026 को कलेक्टर, जिला-जीपीएम द्वारा श्रीमती शुभा ▶▶| शेष पेज 6 पर

शिक्षा सत्र शुरू भी हो गया, गरीब बच्चों का एडमिशन तो छोड़िए, 16 हजार आवेदनों की जांच तक नहीं हो सकी

शासन की अनुमति जरूरी

याचिका में कहा गया कि शासन के नियमों के तहत किसी भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत जिन्हे शासन द्वारा उक्त पद पर पदस्थ किया गया है उन्हे उक्त प्रभार से हटाने का अधिकार कलेक्टर को नहीं है। ऐसे सीईओ को शासन की अनुमति और अनुमोदन के बाद ही हटाया जा सकता है। हाईकोर्ट ने इस रिट याचिका को स्वीकार ▶▶| शेष पेज 6 पर

16 हजार से अधिक आवेदनों की जांच तक नहीं

गौरतलब है कि प्रदेश में नया शिक्षा सत्र 1 अप्रैल से शुरू हो गया, लेकिन आरटीई के तहत पहली कक्षा में प्रवेश प्रक्रिया धीमी है। 38,438 आवेदनों में से अब तक केवल 23,766 (62%) की ही जांच पूरी हुई है, जबकि 16 हजार से अधिक आवेदन लंबित हैं। कई जिलों में 10% से भी कम जांच हो पाई है। डीपीआई ने पंजीयन और नोडल वेरीफिकेशन के लिए 16 फरवरी से 31 मार्च तक समय तय किया था, लेकिन डेडलाइन के बाद भी प्रक्रिया अधूरी है। माना जा रहा है कि नोडल प्राचार्यों स्तर पर धीमी जांच इसकी मुख्य वजह है, जिससे आगे की प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। अधिकांश जिलों में लंबित आवेदनों का नोडल वेरीफिकेशन ही समय पर नहीं हो पा रहा है। इसके साथ ही कुछ जिलों में अधिक तो कुछ जिलों में सीटों के मुकाबले कम आवेदन आए हैं। इधर नोडल वेरीफिकेशन के बाद 13-17 अप्रैल के बीच लॉटरी से स्कूल आवंटन होना है लेकिन जांच और तैयारियां अधूरी रहीं तो एडमिशन शेड्यूल बढ़ सकता है।

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	= ₹111272/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	= ₹135900/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	= ₹148347/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

पुरी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को पहले चरण की वन मंजूरी

भुवनेश्वर। केंद्र सरकार ने पुरी में प्रस्तावित श्री जगन्नाथ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा परियोजना के लिए वन मंजूरी के पहले चरण को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। यह हवाईअड्डा परियोजना वर्ष 2021 में ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा प्रस्तावित की गई थी। इसके तहत निर्माण के लिए लगभग 27 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग की सशर्त अनुमति दी गई है।

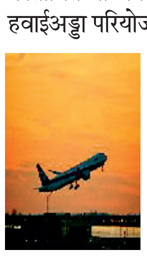

22 लाख की अवैध हेरोइन जब्त, तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। जिले की एसओजी और राबर्ट्सगंज कोतवाली थाना पुलिस ने शनिवार को एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 22 लाख रुपए मूल्य की हेरोइन एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की। गश्त के दौरान थाना क्षेत्र के बभनौली चौराहे पर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को पुलिस ने रोका तो वह भागने लगा। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार का पीछा कर उसे पकड़ लिया तथा तलाशी के दौरान उसके पास से 101.76 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसकी कीमत लगभग 22 लाख रुपए है।

कार के खाई में गिरने से दो की मौत, एक घायल

नाहन। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के पास शुक्रवार रात एक कार के एक गहरी खाई में गिर जाने से उसपर सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। कार सवार लोग शिमला जिले के कुपवी से सोलन जिले के बद्दी जा रहे थे, तभी सिरमौर के संगराह उपमंडल के नोहराधर क्षेत्र के चरना गांव के पास यह घटना घटी। वाहन में कुल तीन लोग यात्रा कर रहे थे।

बाइक बिजली के खंभे से टकराई, दो की मौत

बरेली। बरेली जिले के भमौरा थाना क्षेत्र में एक मोटरसाइकिल बिजली के खंभे से जा टकराई, जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान रोहित शर्मा (25) और उनके दोस्त अमित शर्मा (18) के रूप में हुई है। दोनों दोस्त शुक्रवार देर रात मोटरसाइकिल पर सवार होकर देवचरा जाने के इरादे से निकले थे, तभी भमौरा थाना क्षेत्र के रम्पुरा गांव के पास मोटरसाइकिल अंडरपास के अंदर लगे खंभे से टकरा गई। दुर्घटना में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

ट्रंप ने ईरान को दी चेतावनी, कहा- 48 घंटे बाद बरपेगा कहर

होर्मुज से पार हुआ सातवां एलपीजी जहाज ईरान बोला- दोस्त के लिए खुला रहेगा रास्ता

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए एक और राहत भरी खबर है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी हॉर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया। जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा हुआ है। इधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/तेहरान/दुबई

दुनिया के सबसे जरूरी समुद्री रास्ते हॉर्मुज पर ईरान ने तब से रोक लगा रखी है, जब से अमेरिका और इजरायल के साथ उसकी जंग शुरू हुई। दुनिया का 20 फीसदी तेल इसी रास्ते से जाता है, लेकिन ईरान ने कुछ दोस्त देशों को इजाजत दे रखी है कि उनके जहाज गुजर सकते हैं। भारत उन देशों में शामिल है। ग्रीन शान्वी नाम का एक भारतीय जहाज हॉर्मुज से गुजरा। यह जहाज एलपीजी यानी रसोई गैस लेकर जा रहा था, करीब 46,650 टन। यह सातवां भारतीय जहाज था जो इस बंद रास्ते से सफलतापूर्वक सुरक्षित निकला।

- ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला, एक की मौत

गुजरात के डिप्टी मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्वीट किया और कहा कि एक और जहाज, एक और जीत भारतीय कूटनीति की। मुंबई में ईरान के दफ्तर ने संघवी के ट्वीट का जवाब दिया और कुछ खास बात कही। उन्होंने कहा कि भारत और खासकर गुजरात का ईरान के दिल में एक खास जगह है। यह बात उन्होंने 4000 साल पुराने रिश्ते की याद दिलाते हुए कही।

भारत के कितने जहाज फंसे हैं?

अब तक 6 जहाज पहुंच चुके हैं भारतीय बंदरगाहों पर, लेकिन अभी भी करीब 17 भारतीय जहाज होर्मुज के उस तरफ फंसे हैं और इंतजार कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया के जहाज होर्मुज पर रुके हैं, तब भारत के जहाज निकल रहे हैं। इसका मतलब है कि भारत ने ईरान से अच्छे रिश्ते बनाए हुए हैं। न अमेरिका की खुलकर नाराजगी, न ईरान से दुश्मनी।

ईरान के पास डील करने बचे हैं सिर्फ 48 घंटे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को धमकी देते हुए कहा कि ईरान के पास अहम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने पर डील करने के लिए सिर्फ 48 घंटे बचे हैं, वरना उसे नरक का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, याद है जब मैंने ईरान को 'डील करने' या 'होर्मुज स्ट्रेट खोलने' के लिए दस दिन दिए थे।

ईरान ने यूएस के दो लड़ाकू विमान गिराए

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध दूसरे महीने में पहुंच गया है और यह अधिक भीषण होता जा रहा है। बदले की आग में सुलग रहे ईरान ने शुक्रवार को अमेरिका का एक एफ-15ई लड़ाकू विमान मार गिराया और दूसरा अमेरिकी ए-10 विमान को मार गिराया।

सरकार बोली

घबराहट में न खरीदें ईंधन

सरकार ने शनिवार को नागरिकों से पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की। सरकार ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से जुड़े व्यवधानों के बावजूद ईंधन की आपूर्ति पर्याप्त है और स्थिति नियंत्रण में है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश में पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। लोगों को ऊर्जा की बचत की सलाह दी है।

न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला एक की मौत

शनिवार 4 अप्रैल को दक्षिणी ईरान के बुशहर स्थित न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास अमेरिकी-इजरायली हमले का एक प्रोजेक्टाइल गिरा, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस धमाके से पूरा इलाका थर्रा उठा। हालांकि राहत की बात यह रही कि बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हुए इस हमले पर इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने चिंता जताई है। हालांकि, आईएईए ने पुष्टि की है कि परमाणु रिएक्टर सुरक्षित है और उसे कोई क्षति नहीं पहुंची है। बता दें कि यह प्लांट रूस के सहयोग से संचालित होता है। युद्ध के दौरान किसी भी परमाणु स्थल के पास हमला बेहद खतरनाक माना जाता है। बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट के अलावा इजरायल ने शनिवार को ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान स्थित स्पेशनल इकोनॉमिक जोन पर भी हमला किया। इन हमलों की पुष्टि इजरायल की तरफ से भी की गई।

नई नियुक्ति

अशरफी नए शहर काजी मौलानाओं के प्रस्ताव पर वक्फ बोर्ड भी राजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

राजधानी के मौलानाओं ने एक मत से बैरनबाजार मस्जिद के इमाम मो. इमरान अशरफी को नया शहर काजी बनाने का प्रस्ताव पारित किया है। इस प्रस्ताव से छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड भी राजी हो गया है। वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है कि समाज के मौलानाओं ने जिनको नया काजी बनाने का प्रस्ताव दिया है, उसको मानते हुए वक्फ बोर्ड सोमवार को नियुक्ति आदेश जारी कर ▶▶| शेष पेज 6 पर

पुराने काजी के खिलाफ होगी एफआईआर

शोषण के आरोपी काजी के खिलाफ अब वक्फ बोर्ड एफआईआर कराने की तैयारी में है। इसके बारे में वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज का कहना है कि शोषण की शिकार महिलाओं ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड को अपनी आप बीती बताई है और यह मामला सामने आया है, उसके बाद से समाज में काफी ▶▶| शेष पेज 6 पर

नए काजी का सम्मान

मो. इमरान अशरफी को नया शहर काजी बनाए जाने के प्रस्ताव के बाद शनिवार की शाम को बैरनबाजार मस्जिद में नमाज के बाद उनका स्वागत और सम्मान किया गया। उनको समाज के लोगों ने नई जिम्मेदारी के लिए मुबारकवाद देते हुए आशा जताई उनकी अगुवाई में समाज में अच्छे काम होंगे।

नासिक में हादसा, जांच के आदेश

कुएं में गिरी कार, एक ही परिवार के नौ की मौत

एजेंसी ▶▶| नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में छह बच्चे भी शामिल हैं। यह दुर्घटना शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी कस्बे के शिवाजी नगर इलाके में हुई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना में बच्चों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्रों में खुले कुओं की तत्काल सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार, ये सभी लोग इलाके में एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे, तभी उनकी कार कार्यक्रम स्थल के पास ही स्थित एक कुएं में गिर गई।

स्थानीय पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे तथा आधी रात के आसपास दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार एवं उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि ये सभी लोग डिंडोरी तालुका के इंदौर गांव के दरगुडे परिवार के सदस्य थे। राज्य आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन को कुआं बंद करने का निर्देश दिया गया है और सरकार मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की सहायता प्रदान करेगी।

इनकी हुई मौत

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुनील दत्तु दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों के रूप में हुई है, जिनमें सात से चौदह वर्ष की आयु वर्ग की पांच लड़कियां और ग्यारह वर्षीय लड़का शामिल हैं। शवों को डिंडोरी के सरकारी अस्पताल में लाया गया है और मामला दर्ज कर लिया गया।

सीएम ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रभावित परिवार के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। निर्देश जारी किए गए हैं कि सड़कों या सार्वजनिक आवागमन वाले क्षेत्रों में स्थित सभी कुओं की पहचान और समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा, ऐसे स्थानों की जांच की जानी चाहिए ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या ये कुएं आवश्यक हैं और क्या सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक ऊंची सुरक्षा दीवार होती तो इस त्रासदी को रोका जा सकता था। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दुर्घटना को हृदयविदारक और पीड़ादायक बताया।

एलओसी से सटे इलाकों की समीक्षा

सीडीएस जनरल चौहान ने जम्मू कश्मीर में परखी सुरक्षा तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए किए गए सैन्य अभियान 'ऑपरेशन सिंदूर' की अगले महीने 7 मई को पहली वर्षगांठ है। लेकिन उससे ठीक पहले देश में पहले दो बड़ी घटनाएं सामने आई हैं। पहली में बीते दिनों केरल में एक सैन्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए ईरान-अमेरिका युद्ध की आड़ में भारत के खिलाफ कोई ▶▶| शेष पेज 6 पर

नई सोच संग आगे बढ़ने की दरकार

कोर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। इसलिए महज एक केंद्रित डोमेन की सोच से इतर मजबूत और एकीकृत संरचना पर आधारित बहु-डोमेन संचालन की ओर बढ़ना जरूरी है।

मौसम ने ली अंगड़ाई, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में ओलावृष्टि और बारिश का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। देश के एक बड़े हिस्से में अचानक आए इस बदलाव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश के कई राज्यों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी ओलावृष्टि और बिजली कड़कने की ▶▶| शेष पेज 6 पर

- देश के एक बड़े हिस्से में अचानक बदलाव ने बढ़ीं मुश्किलें

यहां भी दिखेगा मौसम का असर

देश के कई अन्य हिस्सों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है, जिसका मतलब है कि वहां मौसम खराब हो सकता है और लोगों को सचेत रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी मौसम बिगड़ सकता है।

राजस्थान में फसलों को हुआ नुकसान

उत्तर प्रदेश के कानपुर और हिमाचल के धर्मशाला में भी तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई है। सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। राजस्थान के कई जिलों में ओलावृष्टि के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने इसे 'प्राकृतिक आपदा' करार दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी अधिकारियों को नुकसान का आकलन करने के लिए कहा गया है। सरकार संकट की इस घड़ी में पूरी तरह से किसानों के साथ खड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना का चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में व्याख्यान

चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से करना चाहिए काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं को स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए और उन पर राजनैतिक प्रतिक्रियाओं का कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक जैसी संस्थाओं को राजनीतिक प्रभाव से पूरी तरह मुक्त रहना चाहिए। इससे लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहती है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस नागरत्ना ने कहा, चुनाव केवल ▶▶| शेष पेज 6 पर

इतिहास से सबक मिलता है...

जस्टिस बीवी नागरत्ना ने यह भी कहा कि इतिहास से सबक मिलता है कि संवैधानिक ढांचे का पतन तब होता है, जब उसकी संरचना को कमजोर कर दिया जाता है और अधिकारों का हनन तो बस उसके बाद होता है। संरचना का यह विघटन तब होता है, जब संस्थाएं एक-दूसरे पर निगरानी रखना बंद कर देती हैं। ऐसे समय में, चुनाव होते रह सकते हैं, ▶▶| शेष पेज 6 पर

नियामक संस्थाओं की भी भूमिका महत्वपूर्ण

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि आज के समय में कई नियामक संस्थाएं जैसे भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण भी अहम भूमिका निभा रही हैं। ये संस्थाएं जटिल आर्थिक और तकनीकी क्षेत्रों में संतुलन बनाए रखती हैं।

स्वतंत्रता खत्म होने से लोकतंत्र पर असर

जस्टिस नागरत्ना ने चेतावनी दी कि अगर सांविधानिक संस्थाएं एक-दूसरे पर निगरानी रखना बंद कर देंगी, तो लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इतिहास बताता है कि जब संस्थाएं कमजोर होती हैं, तो संविधान की संरचना भी टूटने लगती है। ऐसे में इन संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

वैधानिक संस्थाओं पर कही यह बात

जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि संवैधानिक संस्थाओं के साथ-साथ शासन की बढ़ती जटिलता से निपटने के लिए कई वैधानिक नियामक संस्थाएं भी सामने आई हैं। उन्होंने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण को ऐसी संस्थाओं के उदाहरण के रूप में बताया, जिन्हें तकनीकी रूप से जटिल और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों को विनियमित करने के लिए डिजाइन किया गया। उन्होंने यह दोहराते हुए अपनी बात समाप्त की कि ऐसी संस्थाओं की स्वतंत्रता संवैधानिक ढांचे के भीतर ▶▶| शेष पेज 6 पर

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया
●
युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम
●
शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया
●
मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें
●
सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

शेयर बाजार में हाहाकार

कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

रिटायरमेंट के बाद पैसा खत्म न हो

सही प्लानिंग और अनुशासन से बनाएं सुरक्षित भविष्य बिजनेस डेस्क। हर इंसान चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी जिंदगी आरामदायक और चिंता मुक्त हो। लेकिन जैसे ही नियमित आय का स्रोत बंद होता है, सबसे बड़ा सवाल सामने आता है। "क्या मेरी बचत पूरी जिंदगी साथ दे पाएगी?" बढ़ती महंगाई, हेल्थकेयर का खर्च और बदलती लाइफस्टाइल जरूरतें इस चिंता को और बढ़ा देती हैं। कई लोग यह तय ही नहीं कर पाते कि हर साल कितना खर्च करना सुरक्षित रहेगा ताकि पैसा जल्दी खत्म न हो। यहीं पर 4% रूल एक आसान और व्यवहारिक गाइडलाइन के रूप में सामने आता है। यह कोई जटिल फाइनेंशियल फॉर्मूला नहीं, बल्कि एक सरल तरीका है जो यह समझने में मदद करता है कि आपकी बचत को कितने संतुलित तरीके से खर्च किया जाए।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम

पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इससे आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

बिलासपुर

रविवार 5 अप्रैल 2026

बैशाख कृष्ण पक्ष तृतीया
वर्ष : 26, अंक : 14
पृष्ठ : 10+6 =16, मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 38.8
न्यूून. 26.6

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

तीसरे दिन संचालित नहीं रायपुर-जगदलपुर हैदराबाद को जोड़ने वाली फ्लाइट

उड़ नहीं पा रही क्षेत्रीय उड़ान योजना, हर उड़ान में दस-बीस ही यात्री, जगदलपुर फ्लाइट रही रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत विभिन्न शहरों के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट यात्रियों के लिए तरस रही है। हाल ही में तीन सेक्टरों में उड़ान भरने वाली फ्लाइट दस से बीस यात्रियों के साथ संचालित हो रही है। रायपुर-जगदलपुर-हैदराबाद के बीच संचालित होने वाली फ्लाइट शनिवार को नहीं उड़ी, वहीं अंबिकापुर-कोलकाता की दूसरी उड़ान 9 यात्रियों के साथ पूरी हुई। गुरुवार को इसकी पहली उड़ान में केवल 3 यात्री शामिल थे। क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत हाल ही में ▶▶|शेष पेज 6 पर

अंबिकापुर-कोलकाता की फ्लाइट में 9 पैसेंजर, गुरुवार को 3 के साथ उड़ी थी

रीवा-फ्लाइट संतोषजनक नहीं, उत्केला उड़ान बंद

रायपुर से रीवा को जोड़ने के लिए सप्ताह में तीन दिन मंगल, गुरु और शनिवार फ्लाइट का संचालन किया जा रहा है। 72 सीटर इस फ्लाइट का संचालन 17 मार्च से किया जा रहा है। शुरुआती दिनों में इसमें यात्रियों की संख्या ठीक रही, मगर धीरे-धीरे इसके लिए भी पर्याप्त बुकिंग नहीं हो रही है। कुछ समय पर ओड़िशा के उत्केला से रायपुर को जोड़ने के लिए फ्लाई बिग द्वारा 19 सीटर छोटा विमान चलाया जा रहा था। यात्रियों की समस्या होने की वजह से इसे छह महीने पहले बंद कर दिया गया।

रायपुर-जगदलपुर बड़ी चुनौती

हैदराबाद से उड़ान भरने वाली फ्लाइट छत्तीसगढ़ के दो शहरों जगदलपुर, रायपुर को जोड़ती है। 31 मार्च को जगदलपुर से रायपुर आने के दौरान इसमें 9 यात्री सवार थे, जबकि वापसी में केवल 2 यात्रियों को लेकर फ्लाइट रवाना हुई। गुरुवार को भी इसकी स्थिति ठीक नहीं थी। आवाजाही के दौरान तीनों शहरों के यात्रियों की कुल संख्या पचास तक नहीं पहुंची थी। इस सेक्टर में फ्लाइट चलाने तीन बार अलग-अलग कंपनियां प्रयास हो चुकी हैं, मगर हवाई सफर यात्रियों को आकर्षित नहीं कर पाया है।

अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता की फ्लाइट

सरगुजा संभाग के यात्रियों को हवाई सफर की सुविधा देने के लिए दरिमा (अंबिकापुर) एयरपोर्ट से दिल्ली और कोलकाता के अलग-अलग दिन फ्लाइट सेवा शुरू की गई है। अलायंस एयर की फ्लाइट सोमवार को अंबिकापुर से सीधे दिल्ली, जबकि बुधवार को बिलासपुर होते हुए दिल्ली जा रही है। वहीं गुरुवार को इसकी उड़ान अंबिकापुर से कोलकाता के बीच पूरी हो रही है। इन फ्लाइट में भी यात्रियों की संख्या तीस फीसदी से कम है। इसीलिए इन फ्लाइट को बहुत लंबे समय तक संचालित करना बड़ी चुनौती है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

भारत-नेपाल सीमा पर कोल्ड ड्रिंक, एसी बरामद

बहराइच। बहराइच जिले में भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में भारी मात्रा में कोल्ड ड्रिंक, एसी और साइकिल बरामद की हैं। दो अप्रैल की रात रुपईडीहा स्थित बीआईटी जांच चौकी पर नियमित जांच के दौरान नेपाल की ओर जा रहे एक पिकअप वाहन को रुकने का इशारा किया गया।

म्यांमा सीमा के पास से चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमा सीमा के पास से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उग्रवादियों की पहचान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सदस्य कीशम सुमंत मेइती (25), एनआरएफएम के सदस्य अंगोम समरजीत सिंह (32) और कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के सदस्य युमनाम नोबा सिंह (26) तथा खुन्द्रकपम श्यामसन मेइती (25) के रूप में हुई है। ये गिरफ्तारियां मोरेह थाना क्षेत्र के यंगूबूंग गांव से की गईं।

देसी शराब पीने के बाद तीन की मौत

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के दौराला थाना क्षेत्र में देसी शराब पीने के बाद एक किराना कारोबारी समेत तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सरस्वती कॉलोनी निवासी बाबूराम (60), उनकी दुकान में काम करने वाले जितेंद्र (35) और अंकित उर्फ दौलत (40) ने कस्बे में देसी शराब के एक सरकारी ठेके से शराब खरीदी और वहीं उसका सेवन किया। शराब पीने के कुछ ही देर बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई।

नक्सलमुक्त होने के बाद नक्सलियों के सबसे घातक हथियार की युद्ध स्तर पर खोज शुरू

गांवों की गलियां, पगडंडी के साथ खेत और जंगल उगलने लगे बम

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

देश के नक्सलमुक्त होते ही अब नक्सलियों के सबसे घातक हथियार आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की युद्ध स्तर पर खोज शुरू कर दी गई है। बस्तर प्रवास पर आए प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस बात का ऐलान किया था कि जिस तरह गावों को ओडीएफ बनाया गया उसी तरह बस्तर को आईईडी मुक्त बनाने अभियान चलेगा क्योंकि असली जीत माओवाद खत्म करना नहीं बल्कि बस्तर की धरती को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है।

अलग खबर

31 मार्च को नक्सलमुक्त होने के बाद से नक्सलियों द्वारा प्लांट किए गए आईईडी की तलाश तेज कर दी गई है। साहस सतर्कता और तकनीक के साथ आईईडी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रहे डॉग स्कवॉड, बम निरोधक दस्ता व प्रशिक्षित जवान लगातार आईईडी की तलाश कर रहे हैं। यही वजह है कि प्रतिदिन गांव की गलियों से लेकर पगडंडी, मुख्य मार्ग व बीहड़ जगंल लगातार बम उगलने लगे हैं। माओवादी संगठन की सबसे घातक हथियार का खामियाजा वर्षों से सुरक्षाबलों के साथ ही निर्दोष आम नागरिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

प्रतिदिन मिल रहे बम जागरूकता अभियान भी जारी

इन चुनौतियों के बावजूद पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा आईईडी की पहचान, निष्क्रियकरण तथा सुरक्षित निस्तारण के लिए निरंतर और प्रभावी प्रयास प्रतिदिन किए जा रहे हैं। बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) विशेष प्रशिक्षण प्राप्त जवानों तथा आधुनिक उपकरणों की सहायता से नियमित रूप से सर्च ऑपरेशन और रोड ओपनिंग पार्टियों (आरओपी) के माध्यम से बड़ी संख्या में आईईडी का समय रहते पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय किया जा रहा है। सुरक्षाबलों के प्रयासों के कारण कई दुर्घटनाएं टाली गई हैं।

आईईडी मुक्त गांव बनाना हमारा लक्ष्य

बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा, बस्तर क्षेत्र में माओवादियों द्वारा लगाए जाने वाले आईईडी केवल सुरक्षा बलों को निशाना बनाने का माध्यम नहीं हैं वरन यह आम नागरिकों, ग्रामीण जीवन, पशुधन और पूरे सामाजिक ताने-बाने के लिए एक गंभीर तथा अमानवीय खतरा है। निर्दोष लोगों तथा जंगलों में विचरण करने वाले पशुओं के जीवन को जोखिम में डालने वाली ऐसी हिंसक गतिविधियां क्षेत्र में शांति, विकास और सामान्य जीवन को बाधित करती हैं। बस्तर पुलिस और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता, साहस और तकनीकी दक्षता के साथ आईईडी की पहचान, निष्क्रियकरण और सुरक्षित निस्तारण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं ताकि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चिनिया क्षेत्र में हुई घटना

जंगल में महुआ बीनने गई किशोरी को हाथी ने उठाकर पटका, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रामानुजगंज

जंगल में मौजूद हाथियों के दल ने एक किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। किशोरी जंगल में महुआ बीनने गई हुई थी, इसी दौरान उसका 22 हाथियों के दल से सामना हो गया। दल में मौजूद हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा बच्ची की लाश को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी जा रही है।

बता दें कि बलरामपुर जिले के रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत चिनिया क्षेत्र में इन दिनों 22 हाथियों का दल मौजूद है, झारखंड की ओर से पहुंचा यह दल काफी आक्रामक है और पिछले 3-4 दिनों से महावीरगंज, ▶▶|शेष पेज 6 पर

लोगों को दे रहे हैं समझाइश

22 हाथियों का दल झारखंड की ओर से आया हुआ है। हाथी चिनिया क्षेत्र में मौजूद है और आस पास के 5-6 प्रभावित गावों में लोगों को समझाइश देने के साथ ही वन विभाग की टीम लगातार हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है। बच्ची जंगल में महुआ बिनने गई हुई थी और उसका हाथियों से सामना हो गया। मृतका के परिजन को तत्कालिक सहायता राशि प्रदान की गई है। हमारी टीम लगातार लोगों को सतर्क करने का काम कर रही है।
-आलोक कुमार वाजपेयी, डीएफओ

हिरासत में आरोपी

थरूर के सुरक्षाकर्मी और चालक पर हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मलप्पुरम

कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सुरक्षाकर्मी और वाहन चालक पर वंडूर में पांच लोगों के समूह ने कथित तौर पर हमला किया, जिसके बाद एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। वंडूर पुलिस के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है और एक व्यक्ति हिरासत में है। थरूर के सुरक्षाकर्मी रतीश के.पी. की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। यह घटना वंडूर के तिरुवाली के पास चेल्लीथोडे में हुई।

थरूर बोले- मैं ठीक हूं

इस बीच, थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि इस घटना में उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि उनके प्रति चिंता प्रकट करने वाले शुभचिंतकों के वह दिल से बहुत आभारी है। उन्होंने कहा, मैं ठीक हूं और मुझे कोई चोट नहीं आई। सभी मित्रों और शुभचिंतकों का धन्यवाद। हमने कल बहादुरी से अपना काम जारी रखा और योजना के अनुसार दो और कार्यक्रम संपन्न किए।

पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क संकरी होने के कारण विवाद बढ़ा। सुरक्षाकर्मी रतीश की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। हिरासत में लिए गए व्यक्ति से पूछताछ की जा रही है, जबकि शेष आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुर्तगाल-जर्मनी में रची गई थी साजिश

भाजपा दफ्तर ब्लास्ट में आईएसआई का हाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब के चंडीगढ़ सेक्टर-37 स्थित में भाजपा मुख्यालय में हुए ब्लास्ट केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस शाखा ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में इस घटना में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हमले में शामिल दो मुख्य हमलावरों की पहचान कर ली गई है। इनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, .30 बोर जिगाना पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

संगठित नेटवर्क ने अंजाम दिया धमाका

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि यह एक संगठित नेटवर्क था, जिसमें अलग-अलग स्तर पर काम करने वाले सब-मॉड्यूल और कटआउट शामिल थे। इनका काम हथियारों की सप्लाई, ट्रांसपोर्ट और हमले को अंजाम देने तक फैला हुआ था। उन्होंने बताया कि हमले में शामिल दो मुख्य आरोपियों की भी पहचान कर ली गई है और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ाई

बुधवार शाम हुए विस्फोट से चंडीगढ़ में अफरा-तफरी मच गई थी। भाजपा दफ्तर के बाहर हुए धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान आतंकी ने ली थी। इस धमाके की जिम्मेदारी खालिस्तान समर्थक सुखजिंदर सिंह बब्बर ने ली थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर बब्बर ने इस धमाके की जिम्मेदारी ली थी।

आम आदमी पार्टी और चड्ढा के बीच तेज हुई जुबानी जंग

राघव बोले-क्योंकि मैं घायल हूं इसलिए घातक हूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी और उसके राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा के बीच शनिवार को उस समय जुबानी जंग तेज हो गई, जब चड्ढा ने पार्टी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 'सुनियोजित अभियान' चलाया गया है। आरोपों को 'झूठा' करार देते हुए चड्ढा ने कहा, 'मैंने हमेशा संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया है; मैं वहां सरकार पर दबाव डालने के लिए हूं, हंगामा करने के लिए नहीं। फिल्म 'धुरंधर' के एक संवाद का सहारा लेते हुए चड्ढा ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'हर झूठ का पर्दाफाश होगा। क्योंकि मैं ▶▶|शेष पेज 6 पर

आप ने लगाए तीन आरोप

पहला आरोप : राघव चड्ढा ने बताया, पहला आरोप लगाया गया कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं पर बैठे रहते हैं और वह वॉकआउट नहीं करते हैं।

दूसरा आरोप : चड्ढा ने आगे कहा कि आप ने दूसरा आरोप लगाया कि राघव चड्ढा ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने वाली याचिका पर साइन करने से मना कर दिया।

तीसरा आरोप : राघव चड्ढा ने कहा कि मुझ पर तीसरा आरोप लगाया गया कि राघव चड्ढा डर गए हैं। इसलिए वह बेकार मुद्दे

हर सवाल का जवाब दिया जाएगा : राघव चड्ढा

चड्ढा ने कहा कि सरकारी स्कूलों की हालत और पब्लिक हेल्थ केयर इंस्टीट्यूशन को कैसे मजबूत किया जाए...रेलवे यात्रियों की समस्याएं रखीं। मेन्स्ट्रुअल हेल्थ जैसे मुद्दे को उठाया। बेरोजगारी से महंगाई तक पर अपनी बात रखी। आप मेरा चार साल का ट्रैक रिकॉर्ड उठाकर देख लीजिए। मैं संसद में इंपैक्ट क्रिएट करने गया हूं। मैं संसद में हंगामा करने नहीं गया। करदाताओं के पैसे से संसद चलती है।

काफी दिनों से चल रही थी चर्चा

आम आदमी पार्टी और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में जो चर्चा काफी दिनों से चल रही थी, वो आखिरकार गुरुवार को सही साबित हुई। चर्चा यह थी कि क्या राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और वो भाजपा का दामन थाम सकते हैं, लेकिन यह बात तो आज साफ हो गई कि हां, आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच रिश्ते ठीक नहीं थे।

देश के एक केंद्र शासित राज्य समेत कुल पांच राज्यों में जल्द विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध भी जारी है, जिसके चलते देश में ऊर्जा संकट की संभावना को लेकर विपक्ष भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने में जुटा है। हालांकि इन राज्यों में स्थानीय मुद्दे भी हैं, फिर भी राष्ट्रीय स्तर पर एसआईआर, चुनाव आयोग के मामले भी गर्म हैं। उधर, राजग खासतौर पर प. बंगाल में घुसपैठ और अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे मुद्दों को लेकर बाजी पलटने के मुड में है। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। केरल की सत्ता में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

राष्ट्रीय राजनीति को दिशा देंगे चुनाव नतीजे

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की। बिहार पिछले वर्ष का अंतिम चुनाव था, जिसमें भाजपा जद यू और अन्य दलों के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने ऐसी विजय प्राप्त की, जिसकी कल्पना उसके घोर समर्थक भी नहीं कर रहे थे। लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी विपक्षी पार्टियों ने ऐसा माहौल बनाया था कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राजग के राष्ट्रीय और राज्यों की राजनीति में प्रभावी रहने के दिन गिने-चुने बचे हैं।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव का अभियान इस समय चरम पर है। चुनाव किसी भी स्तर का हो, पिछले कुछ वर्षों में उसकी राष्ट्रीय परिणीति दिखाई देती ही है। गहराई से देखें तो इन पांचों राज्यों में स्थानीय क्षेत्रीय मुद्दे हैं, लेकिन मुख्य तौर पर एसआईआर, चुनाव आयोग, हिंदुत्व, यूजीसी नियमन जैसे राष्ट्रीय विषय हर जगह आच्छादित हैं। ऐसे में इनका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इस वर्ष का यह पहला चुनावी दौर है। पिछले लोकसभा चुनाव से अभी तक झारखंड को छोड़कर सभी विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सफलता प्राप्त की।

विपक्ष के खेमे में घोर हताशा

प्रांतीय चुनावों ने इस सोच को 360 डिग्री मोड़ दिया। विपक्ष के खेमे में घोर हताशा है जबकि भाजपा और राजग के अंदर उत्साह और उम्मीद चरम पर है। इस चुनाव में विपक्ष सफलता प्राप्त करेगा तो देश में मनोवैज्ञानिक रूप से वातावरण बनाने की कोशिश करेगा। क्या भाजपा का प्रदर्शन इन पांचों राज्यों में पिछले विधानसभा चुनाव की तरह ही अपेक्षित है? इसका सीधा उत्तर है, नहीं। तो फिर? इन पांच राज्यों में असम में पिछले 10 वर्षों से उसकी सरकार है और पुडुचेरी जैसे छोटे स्थान में भाजपा सरकार में शामिल है। तमिलनाडु में तो वह एक छोटी पार्टी के रूप में लड़ रही है। केरल में किसी को उम्मीद नहीं है कि भाजपा सत्ता में आ सकती है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने जबरदस्त उपस्थिति 2018 के स्थानीय निकाय चुनाव से दिखाई है और विधानसभा में पिछली बार उसने 77 सीटें जीती। भाजपा के पक्ष और विपक्ष में वातावरण के मूल्यांकन की एकमात्र कसौटी असम में उसका प्रदर्शन होगा। इसके अलावा उसने अगर पिछले चुनाव से बेहतर किया तो फिर इसका निष्कर्ष राष्ट्रीय राजनीति में क्या होगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं।

युद्ध से संकट का असर

इस चुनाव के बीच खाड़ी में युद्ध चल रहा है। इसका प्रभाव हमारे देश में भी है। यद्यपि पेट्रोल-डीजल, पीएनजी-सीएनजी की अभी तक देश में कमी नहीं है, किंतु विरोधियों ने लगातार ऐसा वातावरण बनाया है, जैसे देश मोदी सरकार की नीतियों के कारण संकट में फंस गया है।

यह सभी राज्यों में विपक्ष की ओर से एक बड़ा मुद्दा बनाया जा चुका है। हालांकि अफवाह नहीं हो तो देशव्यापी ऐसी शिकायत नहीं कि किसी की गाड़ी में पेट्रोल डीजल नहीं मिला या कहीं पीएनजी, सीएनजी की आपूर्ति में कमी है। एलपीजी की समस्या है, लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई जिसमें किसी को अपने घर में खाना बनाने में समस्या हो। अब चूंकि विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बनाया है, वातावरण बना हुआ है तो यह नहीं कह सकते कि चुनाव इससे प्रभावित बिल्कुल नहीं होगा। दूसरे, यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमन के विरुद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के विरुद्ध देशव्यापी वातावरण बनाने की कोशिश हुई और इसका भी असर है।

चुनाव आयोग व एसआईआर

कोई पार्टी इसके विरोध में नहीं है, कांग्रेस ने इसका समर्थन कर दिया, बावजूद सबकी कोशिश है कि वातावरण बना रहे और हम इसके समर्थन या विरोध में न बोलें ताकि इससे भाजपा और उसके सहयोगियों को क्षति हो। इसके विरोधी दूसरे राज्यों में जाकर भी भाजपा के विरुद्ध सभाएं कर रहे हैं या यह कह सकते हैं कि विरोधी दलों द्वारा उन्हें प्रायोजित किया गया है। तीसरा मुद्दा चुनाव आयोग और एसआईआर है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस इन दोनों ने इसे चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। हालांकि बिहार में इसका कोई असर नहीं हुआ। पश्चिम बंगाल का मामला अलग है। सुप्रीम कोर्ट इस पर निर्णय दे चुका है। मालदा में एसआईआर के काम करने वाले न्यायिक अधिकारियों को रातभर बंद करने का संज्ञान लेने के बावजूद वहां तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने चुनाव आयोग और एसआईआर के विरोध में ऐसा वातावरण बना दिया है, जिसमें उन्हें अपेक्षित सहयोग और अनुकूल वातावरण नहीं मिला। बंगाल में अगर भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तथा अन्य विपक्षी दल हमलावर होकर बोलेंगे कि चुनाव आयोग और एसआईआर के बावजूद लोगों ने इन्हें निकाल दिया। अब इन्हें इस प्रक्रिया को वापस लेनी चाहिए।

अगर भाजपा ने बढ़िया प्रदर्शन कर दिया तो यही कहा जाएगा कि एसआईआर के कारण मतदाताओं के नाम कटवा कर जीती है और चुनाव आयोग की इसमें भूमिका है। लोकसभा में मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव भेजा हुआ है। दोनों परिस्थितियों में विपक्ष चुनाव के बाद एसआईआर और चुनाव आयोग के विरुद्ध अभियान चलाएगा। वैसे अभी तक की गणना में सबसे ज्यादा नाम तमिलनाडु में कटे हैं। वहां भी मुद्दा है पर पश्चिम बंगाल की तरह नहीं। चौथा, इस बार हर राज्य में हिंदुत्व और मुस्लिम कट्टरवाद मुद्दा है।

घुसपैठ बना बड़ा मुद्दा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी समारोह के मार्च लगातार रोकने की कोशिश हुई। बंगाल और असम दोनों जगह घुसपैठ को भाजपा ने सबसे बड़ा मुद्दा बनाया है। बंगाल में ही तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की नींव रख दी । तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय के आने से मामला त्रिकोणीय हुआ है। अगर वहां विजयकांत अच्छा करते हैं तो भविष्य में राष्ट्रीय राजनीति में उसका महत्व बढ़ेगा। इस तरह पांच राज्यों में चुनाव राष्ट्रीय राजनीति में मुद्दे, पक्ष-विपक्ष के बीच संबंध, आंशिक रूप से राजनीतिक समीकरण तथा हिंदुत्व सनातन की दृष्टि से स्पष्ट दिशा देने वाला हो सकता है।

केरल चुनाव : स्थानीय मुद्दे बाजी न पलट दें

समीकरण
योगेश कुमार सोनी
स्वतंत्र पत्रकार

केरल राज्य के 1957 में गठन के बाद से मुख्य रूप से वामपंथी और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारें रही हैं जो अलग-अगल समय पर सत्ता में आती रही हैं, कभी किसी का कालखंड ज्यादा समय के लिए वर्चस्व में नहीं रहा। 2016 व 2021 से लगातार दो बार पिनाराई विजयन मुख्यमंत्री बन रहे हैं। अब सवाल यही उठता है कि क्या कांग्रेस पिनाराई विजयन के किले को भेद पाएगी?

विजयन की स्थिति को इस बार भी मजबूत इसलिए माना जा रहा है चूंकि वह दशकभर से राज्य में अपने सार्थक शासन को संचालित करने में महारत हासिल कर चुके हैं। यदि बीते लोकसभा चुनाव की बात करें तो उनके खेमें में 140 में से 99 सीटें आई थी, जिसको मजबूत स्थिति माना गया था। यदि कांग्रेस की बात करें तो बीते लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से राहुल गांधी ने रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की थी, जिससे वहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत देखकर सब आश्चर्यचकित रह गए थे। हालांकि केरल जैसे राज्य में कांग्रेस ने हार व जीत के साथ अपनी स्थिति को मजबूत बनाए रखा है लेकिन क्या अब इन दोनों पक्षों के समीकरणों के साथ केरल के किले को भेदने में सार्थक हो पाती है? मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं। राज्य में सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में किए गए काम, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़ाए गए कदम और राज्य में आए निवेश को लाने का जिक्र भी किया गया है।

मौजूदा मुख्यमंत्री अपने बीते दशकभर में किए गए कामों को मजबूती से गिनवा रहे हैं। जैसे कि लोगों की बढ़ाई हुई पेंशन, राज्य में बेहतर हुई स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और 'नवा केरलम' विजन सबसे खास हैं।

इन मुद्दों के साथ में सत्तारूढ़ गठबंधन तीसरी बार केरल की सत्ता में वापसी करने पर मेहनत कर रहा है। वहीं, इसके इसके विपरीत कांग्रेस सीपीआई-एम के नेतृत्व वाली वामपंथी सरकार पर पक्षपात और भ्रष्टाचार के आरोप लगा रही है जिसके अहम मुद्दे हैं यूडीएफ भ्रष्टाचार, वायनाड में भूस्खलन में अनियमितता, इनके अनुसार राज्य पहले की अपेक्षा अपराध बहुत बड़े स्तर पर अपराध बढ़ा है, नौकरियों में लगातार कमी आ रही है, जिससे युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का राज्य से पलायन लगातार जारी है, गुपचुप तरीके से अवैध रूप से नियुक्तियां जैसे मुद्दे हैं। यह सभी पार्टियों के लिए बड़ा मुद्दा है, लेकिन यूडीएफ इसे एलडीएफ सरकार की नाकामी बताकर उठा रही है। इसके अलावा बीजेपी समर्थक थर्ड फ्रंट एक ऐसा मुद्दा उठा रही है जो पार्टियों को छोटा लग रहा था। वह अचानक बड़ा बन गया और वह है जानवरों से खेती की बर्बादी। बताया जा रहा है और वहां चित्रों से भी प्रतीत होता है कि वायनाड जिले का वडक्कनाड में किसानों ने घर छोड़ दिए। गांव में अधिकतर घर टूटी-फूटी हालत में खाली पड़े हैं, चूंकि वहां के रहने वाले किसानों का कहना है कि जब फसल कटने का समय आता है तो हाथी व अन्य जंगली जानवर सब बर्बाद कर देते हैं। यह कहानी वर्षों से चल रही है जिस बारे में कई बार राज्य सरकार को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन उस पर किसी भी प्रकार की मदद नहीं मिली, इससे वहां के लोगों बहुत आक्रोश है। इसके अलावा भी कई ऐसे छोटे-छोटे मुद्दे हैं, जो अब बड़े बनते जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वृद्ध आबादी 16.5 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो देश में सबसे अधिक है और वरिष्ठ नागरिक एक प्रभावशाली मतदाता वर्ग बन गए हैं। इसकी नकारात्मकता यह है कि केरल से युवाओं का पलायन लगातार जारी है। यदि लड़कियों की बात करें तो केरल से देश से सबसे ज्यादा नर्सें बनती हैं और देश व दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में चली जाती हैं। वहीं लड़कों की बात करें तो यहां नौकरी व उतना रोजगार नहीं है जिसकी वजह से वो भी यहां से पलायन कर जाते हैं। कुल मिलाकर राज्य ने अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं समाया हुआ, जिससे वह स्थानीय जनता को वहां रुकने का मौका मिले। बहरहाल, अब देखना यह होगा कि कौन सी पार्टी किन मुद्दों को जनता को समझाने या मनाने के लिए सार्थक सिद्ध होती है। चूंकि कई बार बड़े मुद्दों से ज्यादा छोटे मुद्दे कारगर साबित हो जाते हैं। अब देखना यह है कि पिनाराई विजयन अपने किला बचा पाते हैं या कांग्रेस पुनः अपने आप को स्थापित करती है।

तमिल चुनाव में देखने को मिलेगा विजय का प्रभाव

त्रिकोणीय
योगेंद्र माथुर
स्वतंत्र पत्रकार

पांच राज्यों के चुनाव के महासमर में सीटों के लिहाज से दूसरे सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदाता अपना मत डालेंगे। राज्य में कुल 234 सीटों पर चुनाव होना है और सभी पार्टियां अपनी कमर कस कर मैदान में आ जुटी हैं। तमिलनाडु एक समृद्ध व प्रगतिशील राज्य है और यहां के मतदाता अन्य चार राज्यों की अपेक्षा अधिक शिक्षित व बुद्धजीवी माने जाते हैं। यहां सामान्यतः शांतिपूर्ण चुनाव होते रहे हैं। तमिलनाडु की राजनीति परम्परागत रूप से क्षेत्रीय दलों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। मुख्यतः यहां द्रमुक व अन्नाद्रमुक के बीच मुख्य मुकाबला होता रहा है। इस बार अभिनेता से राजनेता बने विजय ने चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले में बदल दिया है। राज्य की राजनीति में विजय के तेजी से उभार व उनके नई पार्टी के साथ मैदान में उतरने से यहां का चुनाव अधिक दिलचस्प हो गया है। अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) राज्य की सभी 234 सीटों पर चुनाव चुनाव मैदान में उतरी है। दूसरी ओर, गहन पुनरीक्षण की अंतिम सूची आने के बाद भी यहां का राजनीतिक परिदृश्य काफी बदला हुआ नजर आने की संभावना है। एसआईआर में तमिलनाडु में सबसे अधिक नाम कटे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में राज्य में कुल 6.6 करोड़ मतदाताओं ने मतदान किया था। पुनरीक्षण में 74 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम कटने के बाद अब 5.7 करोड़ मतदाता इस चुनाव में अपने मत का उपयोग कर सकेंगे। मतदाताओं की संख्या के इस बदलाव का प्रभाव राज्य की विधानसभा सीटों के समीकरण पर भी देखने को मिल सकता है। राजनीतिक दलों को समीकरण बदलाव की इन संभावनाओं के दृष्टिगत अपनी रणनीति तय करनी होगी। वर्तमान में राज्य में एमके स्टालिन के नेतृत्व में 8 पार्टियों के द्रमुक गठबंधन की सरकार सत्ता में है। परंपरागत रूप से उसका मुकाबला अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी पार्टी अन्नाद्रमुक से ही है, लेकिन अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के मैदान में आने से मुकाबला रोचक बन गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में द्रमुक गठबंधन को कुल 159 सीटें मिली थीं और अन्नाद्रमुक गठबंधन को 75 सीटों के साथ विपक्ष में बैठना पड़ा था। इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है। अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम को तोड़कर द्रमुक में शामिल करने के बाद एम के स्टालिन का उत्साह बढ़ा हुआ नजर आ रहा है और वे सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि 1971 के बाद से द्रमुक की लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं हुई है। मुकाबले में अन्नाद्रमुक अपेक्षाकृत कमजोर दिख रही है। पार्टी प्रमुख जयललिता के निधन के बाद पार्टी में बिखराव व असंतोष की लहर पार्टी के चुनावी नतीजों को प्रभावित कर सकती है। पार्टी के प्रमुख नेता पनीर सेल्वम के द्रमुक में जाने के बाद जयललिता की सहयोगी रहीं शशिकला के अलग पार्टी बना लेने से अन्नाद्रमुक के प्रमुख नेता ई.पलानीस्वामी के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ गई हैं। इस चुनाव में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में भाजपा प्रमुख पार्टी है, जो विगत लंबे अरसे से दक्षिण में पैठ बनाने की जद्दोजहद कर रही है, लेकिन उसका अपेक्षित जनाधार बढ़ता दिख नहीं रहा है। 2001 में भाजपा ने करुणानिधि के नेतृत्व में द्रमुक के साथ राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ा था और 4 सीटें जीते थीं। विगत 2021 के चुनाव में भी भाजपा 4 सीटों पर ही सीमित रही। हाल के वर्षों में भाजपा की आक्रामक राजनीति के चलते इस बार उसका जनाधार बढ़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इसका अप्रत्यक्ष लाभ जरूर अन्नाद्रमुक गठबंधन को मिल सकता है। ऐसे में विजय की पार्टी के प्रदर्शन पर राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान केंद्रित हो गया है। आरंभिक ओपिनियन पोल के नतीजों को मानें तो टीवीके का प्रभाव राज्य के दक्षिणी भाग में अधिक देखने को मिल रहा है। दूसरी ओर युवाओं में भी विजय खासा प्रभाव डालने में सफल होते दिख रहे हैं। चुनावी विश्लेषकों के एक वर्ग के अनुसार विजय की पार्टी सत्ता विरोधी मतों का विभाजन कर अन्नाद्रमुक को नुकसान पहुंचाएगी। वहीं, एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि विजय के ईसाई समुदाय का होने से स्टालिन की परेशानियां बढ़ेंगी। बहरहाल चुनाव के नतीजे कुछ भी रहें, सरकार में विजय की पार्टी का हस्तक्षेप व प्रभाव बढ़ना तय है।

इस चुनाव में द्रमुक को कांग्रेस व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ विगत चुनाव के नतीजे दोहराने और सत्ता में वापसी की आस है। वहीं, अन्नाद्रमुक भाजपा व अन्य पार्टियों के गठबंधन के साथ सत्ता में वापसी के पुरजोर प्रयास कर रही है।

द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में भाजपा की सेंध पर संशय

चुनौती
रवि शंकर
स्वतंत्र स्तंभकार

तमिलनाडु चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी हलचल तेज हो गई है। तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में बीजेपी 27 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में बीजेपी का कद बढ़ा है, लेकिन क्या द्रविड़ राजनीति के अभेद्य किले में सेंध लगा पाएगी 'भगवा' ब्रिगेड? सबसे बड़ा सवाल यही है। तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से 'द्रविड़ियन मॉडल' और क्षेत्रीय पहचान के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 2026 के नतीजे एक नया राजनीतिक सरप्राइज और अप्रत्याशित मोड़ ला सकते हैं। लगभग छह करोड़ वोटर नए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। 21 राजनीतिक पार्टियों ने करीब 2,200 उम्मीदवार उतारे हैं। कई तरह के समीकरण, नया जनादेश और नए चेहरे पांच मई से अगले पांच साल के लिए विधायक बनेंगे। पिछले 70 साल से राज्य में बारी-बारी से डीएमके या एआईएडीएमके की सरकार बनती रही है। अबकि पहली बार डीएमके 234 में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके ने 167 उम्मीदवार उतारे हैं। क्या यह सहयोगियों को ज्यादा सीट देने का संकेत है, या फिर उनके प्रभाव में कमजोरी दिखाता है? दोनों द्रविड़ पार्टियों के गठबंधन में एक-एक राष्ट्रीय पार्टी शामिल है। दोनों ने अपनी नजर में 'कमजोर' सीटें सहयोगियों को दी हैं-डीएमके ने कांग्रेस को 28 सीटें दी हैं, जबकि एआईएडीएमके ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। इससे भी त्रिशंकु विधानसभा की संभावना का संकेत मिलता है। बहरहाल, राज्य में बीजेपी के लिए चुनौती अलग तरह है। यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क है। हालांकि पार्टी धीरे-धीरे अपने आधार को बढ़ाने की कोशिश में जुटी है। पूर्व आईपीएस अधिकारी के अन्नामलाई के नेतृत्व में पार्टी ने आक्रामक रणनीति अपनाई है। उनकी 'एन मन, एन मक्कल' यात्रा ने बीजेपी को गांव-गांव तक पहुंचाया। 2024 लोकसभा चुनाव में सीट नहीं जीत पाने के बावजूद

यहां दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का वर्चस्व रहा है। ऐसे में बीजेपी को 'बाहरी पार्टी' की छवि से बाहर निकलना सबसे बड़ा टास्क माना जा रहा है।

बीजेपी का वोट शेयर 11.2 फीसदी तक पहुंच गया, जो पहले 2.6 फीसदी था। अब 2026 में एआईएडीएमके के साथ गठबंधन कर बीजेपी खुद को एक मजबूत विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने केवल 20 सीटों पर चुनाव लड़ा था और चार पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार पार्टी 27 सीटों पर अपना पूरा दम दिखाने को तैयार है। यहां बीजेपी का प्रदर्शन दक्षिण भारतीय राज्यों में उसकी नई तस्वीर पेश कर सकती है। पिछले दो चुनावों के आंकड़े देखें तो बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए और डीएमके नेतृत्व सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस के बीच पांच से छह फीसदी वोटों का अंतर रहा। अब एनडीए नए-नए जाति समूहों और संगठनों को पाले में लाकर वोटों के इस अंतर को खत्म करने में जुटा है। राज्य की राजनीति में वन्नियार, थेवर, दलित और ओबीसी समुदायों का बड़ा प्रभाव है। बीजेपी इन समुदायों के बीच पैठ बनाने के लिए सामाजिक अभियानों, स्थानीय नेताओं को आगे लाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर जोर दे रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में एआइएडीएमके से गठबंधन टूट जाने पर अकेले लड़ने वाली बीजेपी 18.28 फीसदी वोट हासिल करने में सफल रही। बीजेपी को 79 लाख से ज्यादा वोट मिले। इससे पूर्व 2021 के विधानसभा चुनाव में कुल 234 सीटों में से सत्ताधारी डीएमके गठबंधन को 159 सीटें तो भाजपा-एआइएडीएमके को 75 सीटें मिलीं थीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अगर बीजेपी और एआईएडीएमके का वोट शेयर मिला दें तो 41.33 फीसदी वोट होता है, जबकि सत्ताधारी डीएमके नेतृत्व इंडिया गठबंधन सिर्फ पांच फीसदी अधिक 46.97 फीसदी वोट हासिल कर सभी 39 लोकसभा सीटें जीतने में सफल रहा था। रणनीतिकारों का मानना है कि अगर 2024 का लोकसभा चुनाव दोनों दलों ने मिलकर लड़ा होता तो 12 सीटों पर संभावनाएं बन सकती थीं। एआईएडीएमके को 23 फीसदी और बीजेपी को 18 फीसदी वोट मिले थे। कुल मिलाकर, तमिलनाडु इस बार ऐसे चुनावी रण में उतर चुका है, जहां कई ताकतें, टूटते समीकरण और नए नैरेटिव एक साथ टकरा रहे हैं। यह चुनाव न सिर्फ राज्य की राजनीति का भविष्य तय करेगा, बल्कि यह भी बताएगा कि क्या पारंपरिक द्रविड़ राजनीति का दबदबा बरकरार रहेगा या कोई नई ताकत उभरकर सामने आएगी।

तृणमूल संग सीधी स्पर्धा में भाजपा का पलड़ा भारी

दृष्टिकोण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजनीति में आजकल बड़ा मुद्दा यही है कि क्या ममता का दुर्ग दरक रहा है? राज्य की राजनीतिक स्थिति वर्तमान में एक ऐसे मोड़ पर है, जहां सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बौखलाहट केवल राजनीति से प्रेरित बयानबाजी नहीं, बल्कि गहरे जमीनी बदलावों का संकेत दे रही है। 2011 में परिवर्तन का नारा देकर वामपंथ के अभेद्य किले को ढहाने वाली ममता आज स्वयं वैसी ही घेराबंदी का सामना कर रही हैं, जैसी उन्होंने कभी बुद्धदेव भट्टाचार्य के विरुद्ध की थी।

यदि 2016 से लेकर 2021 तक के चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण करें तो तृणमूल के प्रति मूल बंगालियों में अविश्वास उत्पन्न हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद से बंगाल के चुनावी परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। जहां पहले स्पर्द्धा वामपंथ और तृणमूल के बीच थी, वहां अब वामपंथ का स्थान भाजपा ने ले लिया है। आंकड़ों को देखें तो 2016 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने 44.91 प्रतिशत मतों के साथ 211 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा मात्र 10.16 प्रतिशत वोट और 3 सीटों पर सिमट गई थी। उस समय वाम मोर्चा और कांग्रेस के गठबंधन को लगभग 32 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे। हालांकि, 2021 के विधानसभा चुनाव तक आते-आते स्थिति पूरी तरह बदल गई। तृणमूल ने 47.94 प्रतिशत मतों के साथ 215 सीटें हासिल कीं, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत 10 से बढ़कर सीधे 38.13 प्रतिशत पर पहुंच गया और उसकी सीटों की संख्या 3 से बढ़कर 77 हो गई। आश्चर्य ये रहा कि वाम मोर्चा और कांग्रेस का गठबंधन मात्र 10 प्रतिशत मतों और 1 सीट पर सिमट कर रह गया। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा अब राज्य में कोई अस्थायी लहर नहीं बल्कि एक स्थायी और शक्तिशाली विपक्ष बन चुकी है। बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। राज्य की लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है। हालांकि, निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कड़े मतदाता पुनरीक्षण ने तृणमूल की रणनीतियों को प्रभावित किया

बंगाल की राजनीति में अवैध घुसपैठिए और मुस्लिम वोट बैंक हमेशा से निर्णायक कारक रहे हैं। लगभग 27 से 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी पर तृणमूल का गहरा प्रभाव रहा है।

है। निर्वाचन सूचियों से फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों का हटना ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों जैसे उत्तर और दक्षिण 24 परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद में यदि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के नाम सूचियों से हटते हैं, तो इसका सीधा असर तृणमूल के सुरक्षित वोट बैंक पर पड़ेगा। हाल के वर्षों में भारतीय सेक्युलर फ्रंट के उभार और मुस्लिम समुदाय के भीतर बढ़ते असंतोष ने यह संकेत दिया है कि यह वोट बैंक अब विभाजित हो सकता है। यदि मुस्लिम मतों में 5 से 7 प्रतिशत की भी गिरावट आती है, तो दर्जनों विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को सीधा लाभ मिल सकता है। 2021 के चुनावों में ऐसी लगभग 50 सीटें थीं, जहां जीत का अंतर बेहद कम था। वहां मतदाता सूची की शुद्धता भाजपा के पक्ष में फलीभूत हो सकती है। ममता की बौखलाहट के पीछे अनेक कारण हैं। मुख्यमंत्री की हालिया आक्रामक बयानबाजी उनके राजनीतिक आधार के खिसकने की घबराहट को दर्शाती है। शिक्षक भर्ती घोटाला, राशन घोटाला और संदेश खाली जैसी घटनाओं ने सरकार की छवि को गहरा धक्का पहुंचाया है। साथ ही, आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना ने ममता के सबसे मजबूत वोट बैंक यानी महिला मतदाताओं के बीच एक अविश्वास पैदा किया है। प्रशासनिक पकड़ का ढीला होना और स्थानीय स्तर पर सत्ता विरोधी लहर का प्रबल होना तृणमूल के लिए खतरे की घंटी है। आगामी चुनाव में बहुसंख्यक हिंदुओं तथा मूल बंगालियों की पहली पसंद भाजपा ही होगी, इसमें संदेह नहीं है, किंतु सत्तारूढ़ होने की स्थिति में भाजपा को इस सीमावर्ती प्रांत में एक सशक्त, दृढ़निश्चयी तथा कठोर निर्णय लेने वाला नेता बैठाना होगा। बंगाल में भाजपा के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, लेकिन इसके लिए पार्टी को एक सशक्त और निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है। आगामी दिनों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि इन राज्यों में भाजपा की राजनीतिक स्थिति का आकलन करें तो केवल असम में ही वो पूर्ण बहुमत के साथ शासन में है, जहां हिमंत बिस्वा सरमा मुख्यमंत्री हैं। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन एआईएनआरसी के साथ शासन में भागीदार है। शेष तीन राज्यों क्रमशः पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में विपक्ष की सरकारें हैं। बंगाल तो भाजपा के लिए अनुकूल प्रतीत होता है, किंतु तमिलनाडु और केरल में स्थितियां अभी भी प्रतिकूल ही हैं।

केरल

पीएम मोदी ने भरी सियासी हुंकार, कहा- चुनावी सभा को किया संबोधित

‘केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत’

एजेंसी ▸▸| तिरुवल्ला (केरल)

तिरुवल्ला (केरल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ‘हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है।’

मोदी ने पथनमथिट्टा जिले में राजग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है। उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा। इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बोले कि केरल के लोगों को कांग्रेस और लेफ्ट से सावधान रहने की जरूरत है।

केरल के फंड पर क्या बोले प्रधानमंत्री

मोदी ने कहा कि जब एलडीएफ और यूडीएफ केंद्र में सत्ता में थे, तब केरल को कम फंड मिलता था। लेकिन मोदी सरकार में राज्य को पांच गुना ज्यादा फंड दिया गया है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में, जहां बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय रहता है, वहां एनडीए की सरकारें बनी हैं और विकास कार्य हुए हैं। गोवा का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि केरल में एनडीए सरकार बनेगी, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा और मछुआरों समेत स्थानीय समुदायों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के लिए वोट की अपील

केरल में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि इस चुनाव में केरल को फायदा होगा, भले ही उन्हें खुद व्यक्तिगत रूप से कुछ नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कहा कि एनडीए उम्मीदवार अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ पूरी मेहनत और समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। वह शांत, ईमानदार और दिन-रात काम करने वाले कार्यकर्ता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केरल को ऐसे युवा नेता की जरूरत है और आज वह अनूप को जनता के हवाले कर रहे हैं ताकि वह लोगों की सेवा कर सकें।

विजयन अपने बच्चों को बचाना चाहते हैं, इसलिए ‘मोदी से डरते’ हैं : राहुल

केरल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर तीखा हमला बोला। कोच्चि में चुनावी सभा के दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार, राजनीतिक समझौते और परिवार से जुड़े मामलों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन अपने बच्चों को बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ‘डरते’ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विजयन ने भ्रष्टाचार के साथ ‘समझौता’ किया है और अब अपने पुराने फैसलों के कारण दबाव में हैं। गांधी ने बिना नाम लिए विजयन की बेटी से जुड़े ‘एक्सालॉजिक’ मामले का जिक्र किया। इस मामले में कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) और एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस के बीच कथित अवैध वित्तीय लेनदेन के आरोप हैं। यह कंपनी विजयन की बेटी वीणा के स्वामित्व में थी, जो अब बंद हो चुकी है। राहुल गांधी ने कहा कि एक पिता अपने बच्चों की रक्षा जरूर करता है, लेकिन समस्या तब होती है जब ऐसे काम किए जाते हैं, जिनके लिए सुरक्षा की जरूरत पड़े।

बीजेपी-आरएसएस से संबंध का आरोप

राहुल गांधी ने दावा किया कि सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) अब वामपंथी नहीं रहा और देश की दक्षिणपंथी ताकतों से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि यह ताकतें धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाती हैं और यह संविधान पर प्रत्यक्ष हमला है।

प्रधानमंत्री पर भी निशाना

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि वे अदाणी समूह और एप्स्टीन फाइलों जैसे मुद्दों पर दबाव में हैं। उन्होंने शबरिमला मंदिर से सोने की चोरी के मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी को भी एलडीएफ सरकार के पक्ष में बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सत्ता में आने पर अपनी पांच गारंटी लागू करेगा।

बंगाल

‘बीजेपी हिंसा भड़काकर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही’

एजेंसी ▸▸| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 में मोदी सरकार गिरने का दावा करते हुए बीजेपी पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी बंगाल को निशाना बना रही है, जबकि उनकी पार्टी अब दिल्ली को टारगेट करेगी। बनर्जी ने आरोप लगाया कि बीजेपी हिंसा भड़काकर केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

उन्होंने मालदा के मोथाबारी में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि असली दोषी भाग गए, जबकि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) निर्दोष लोगों को परेशान कर रही है। उनके अनुसार जांच के नाम पर करीब 50 स्थानीय युवाओं को उठाया गया है।

सुवेंदु हिंसा : 4 पुलिस अधिकारी निलंबित

पश्चिम बंगाल चुनाव के तहत 2 अप्रैल को सर्वे बिल्डिंग के सामने भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नामांकन के दौरान हुई हिंसा मामले में चुनाव आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, आयोग ने कोलकाता पुलिस के डीसी-2, अलीपुर के ओसी, एडिशनल ओसी और एक सार्जेंट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी वाले इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान नियमों का उल्लंघन कर हुई नारेबाजी और झड़प को रोकने में नाकाम रहने पर आयोग ने यह सख्त कदम उठाया है।

आईएसएफ और एआईएमआईएम पर निशाना

ममता बनर्जी ने इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि इन दलों के लोगों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और बाद में भाग गए, जिससे स्थिति और बिगड़ी।

वोटर सूची विवाद पर निर्देश

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद हटाए गए नामों को दोबारा जुड़वाने के लिए ट्रिब्यूनल में आवेदन करें। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों के पास जाने से बचें और किसी उकसावे में न आएं।

GOVERNMENT OUTSOURCING JOB MELA
DEO | MTS | Field/Block Coordinator
Salary ₹21–35K | 500+ Vacancies
Qual.: 10th/12th/Any Grad.
Last Date: 15/04/2026
Free Recruitment | No Application Fee
www.ioems.in | 7789903120
नोट: मार्च में जारी भर्ती अधिसूचना के अंतर्गत चयनित उम्मीदवार अपने अपॉइंटमेंट लेटर को वेबसाइट से डाउनलोड करें तथा 10 अप्रैल 2026 तक अपने निर्धारित विभाग में कार्यभार ग्रहण करें।

एफसीआरए विधेयक ‘दमनकारी’ विदेश नीति विफल : स्टालिन

तमिलनाडु

नागरकोइल (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शनिवार को केंद्र द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को ‘दमनकारी’ करार दिया और आरोप लगाया कि इसके जरिये अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाई सेवा संगठनों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। विधानसभा चुनाव के लिए यहां एक रैली को संबोधित करते हुए एम के स्टालिन ने मछुआरों के लिए सहायता राशि बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पहले मछली पकड़ने पर प्रतिबंध अवधि के दौरान विशेष राहत राशि पांच हजार रुपये से बढ़ाकर आठ हजार रुपये की थी, जिसे अब बढ़ाकर बारह हजार रुपये प्रति माह किया जाएगा। इसी तरह, मछली पकड़ने का काम में मंदी आने के दौरान सहायता राशि छह हजार रुपये से बढ़ाकर नौ हजार रुपये प्रति माह की जाएगी। स्टालिन ने रैली में लोगों से पूछा, ‘क्या आप सभी खुश हैं?’

कांग्रेस ने बराक घाटी को ‘अपराध का केंद्र’ बना दिया था : नवीन

असम

राम कृष्ण नगर (असम)। असम में चुनावी माहौल के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कांग्रेस की पूर्व सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण बराक घाटी अपराध का केंद्र बन गई थी। रामकृष्ण नगर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने स्थानीय लोगों के बजाय घुसपैठियों को प्राथमिकता दी। उनके अनुसार तुष्टीकरण की राजनीति अपने चरम पर थी, जिससे क्षेत्र में अपराध बढ़ा। उन्होंने कहा कि जनता ने इसी वजह से कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया। नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ‘विरासत और विकास’ को साथ लेकर काम किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के दक्षिणी हिस्से में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया गया है। उन्होंने कहा कि अब अपराधियों में डर है, क्योंकि उन्हें पता है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा सख्त कार्रवाई करते हैं और किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

पुडुचेरी चुनाव में टीवीके प्रमुख विजय के बड़े वादे

पुडुचेरी

पुडुचेरी। विधानसभा चुनाव से पहले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने चुनावी रैली में कई बड़े वादे किए और राष्ट्रीय दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस-द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) गठबंधन को भ्रमित और एनआर कांग्रेस-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन को थका हुआ बताया। विजय ने कहा कि ये दल लंबे समय तक केंद्र में सत्ता में रहने के बावजूद पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिला सके। विजय ने घोषणा की कि सत्ता में आने पर उनकी पार्टी पुडुचेरी को उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से मुक्त कर पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए पूरी कोशिश करेगी। उन्होंने इसे प्राथमिक लक्ष्य बताया। जन कल्याण योजनाओं के तहत विजय ने हर परिवार को 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा देने और गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने पुडुचेरी विश्वविद्यालय ऑफ एप्लाइड साइंसेज एंड आर्ट्स स्थापित करने की घोषणा की।

तेज रफ्तार जीवनशैली में हेल्थ को न करें इग्नोर

विशेषः विश्व स्वास्थ्य दिवस, 7 अप्रैल

आज के दौर में हम सभी की जीवनशैली बहुत व्यस्त और तेज रफ्तार हो गई है। ऐसे में हम अकसर अपनी हेल्थ को इग्नोर करने लगते हैं। इससे हम हेल्दी लाइफ नहीं जी पाते हैं। अपनी हेल्थ के प्रति सभी को अवेयर करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष वर्ल्ड हेल्थ-डे मनाया जाता है। इस दिन की क्या महत्ता है, इसकी शुरुआत कैसे हुई और इसे कैसे मना सकते हैं? आपको जानना चाहिए।

कवर स्टोरी / रेखा देशराज

हर साल 7 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व स्वास्थ्य दिवस महज एक औपचारिक दिन भर नहीं है बल्कि यह दुनिया को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक वैश्विक अभियान है। साल 2026 की नजर से देखें तो यह दिन पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल, आज तेज रफ्तार दुनिया ऐसी-ऐसी स्वास्थ्य चुनौतियों से जूझ रही है, जिन्हें अब के पहले कभी नहीं जाना या देखा गया था। एक तरफ बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां, दूसरी तरफ हर दिन विकराल होता जलवायु परिवर्तन, इन दोनों के मेल से लाइफस्टाइल संबंधी बीमारियों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी हो रही है। इसलिए साल 2026 हाल के दूसरे स्वास्थ्य दिवसों के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

बढ़ता मानसिक-सामाजिक असंतुलनः वर्तमान में स्वास्थ्य का लक्ष्य सिर्फ देखे जाने वाली बाह्य शारीरिक बीमारियों से बचना ही नहीं है बल्कि मानसिक और सामाजिक संतुलन भी बढ़ाना है। आज अपना देश डायबिटीज और हाइपरटेंशन की वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है और अमेरिका के बाद अब दूसरा नंबर मोटापे का शिकार भी भारत हो चुका है। ये बीमारियां आज से दो दशक पहले हमारे हेल्थ एजेंडे में कहीं नहीं थीं, पर आज सारा स्वास्थ्य फोकस, ये लाइफस्टाइल बीमारियां ही खींच रही हैं। बड़ी बात यह है कि अपने देश में जहां पहले बड़े-बूढ़े तक मानसिक स्वास्थ्य के बहुत कम शिकार होते थे, वहीं अब बड़े पैमाने पर युवा भी मानसिक रोगी हो रहे हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन के कारण हीट स्ट्रोक, एलर्जी और संक्रामक रोगों की जो भयावहता आई है, उसमें भी भारत सबसे अगली कतार के पीड़ित देशों में है। ऐसे में हमें यह विशेष दिन याद दिलाता है कि स्वास्थ्य केवल डॉक्टरों या अस्पतालों का विषय भर नहीं है बल्कि इसका रिश्ता समाज के हर व्यक्ति, समाज की सभी संस्थाओं और सरकार से भी है। इसलिए अब स्वास्थ्य को अतिरिक्त फोकस के साथ देखे जाने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य दिवस की शुरुआतः विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 7 अप्रैल 1948 को इस विशेष दिन की शुरुआत हुई थी, क्योंकि इसी दिन इस वैश्विक संगठन की भी स्थापना हुई थी। इसी कारण साल 1950 से हर साल पूरी दुनिया में यह दिन मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न देशों के बीच स्वास्थ्य संबंधी सहयोग बढ़ाना तथा नई स्वास्थ्य चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना है। इस सबके अलावा मौजूदा वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को भी इस दिन के साथ जोड़कर देखा जाता है, जिससे उनसे लड़ने की बेहतर रणनीति तैयार की जा सके। जहां तक अपने देश में स्वास्थ्य दिवस के महत्व की बात है, तो हमारे यहां दुनिया के अन्य देशों से इसका महत्व इसलिए ज्यादा है, क्योंकि हमारे यहां अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं ही चुनौती बनी हुई हैं। आज भी अपने देश में डॉक्टर और रोगी अनुपात बेहद असंतुलित है। रोगियों की बहुत बड़ी तादाद में डॉक्टरों की बेहद कमी है। भारत में एक तो जनसंख्या के अनुपात को देखते हुए डॉक्टरों की संख्या बहुत कम है और जो हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से ज्यादा डॉक्टर शहरों में केंद्रित हैं। छोटे शहरों और कस्बों में ही बड़े शहरों के मुकाबले डॉक्टर बहुत कम हैं। इसलिए डॉक्टर-रोगी अनुपात को संतुलित करने के लिए लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए और जीवनशैली संबंधी बीमारियों को बताने के लिए इस दिन लोगों को विशेष तौर पर शिक्षित, प्रशिक्षित किए जाने के अलावा उन्हें इसके लिए मोटिवेट भी किया जाता है।

इस साल हेल्थ-डे की थीमः विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक साल 2026 के लिए हेल्थ-डे की थीम है- टूगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस यानी, स्वास्थ्य के लिए हम साथ हैं और विज्ञान का समर्थन करें। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के लिए यही विश्व स्वास्थ्य संगठन की आधिकारिक थीम है। इसका निहितार्थ यही है कि हम न केवल अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी सभी प्रयास करें, अपने घर-परिवार के अन्य सदस्यों, विशेष तौर पर बुजुर्गों और बच्चों की हेल्थ का भी पूरा ध्यान रखें। कोई समस्या होने पर डॉक्टर से कंसल्टेशन में देरी न करें। फिजिकल एक्टिविटीज को अपने रूटीन का जरूरी हिस्सा बनाएं। अगर हम या हमारी फैमिली का कोई सदस्य स्ट्रेस या डिप्रेस्ड फील कर रहा है तो उसे मेडिकल कंसल्टेशन में देरी न करें। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अच्छी जीवनशैली से बीमार होने की आशंका बहुत कम हो जाती है। और अगर बीमार हो भी जाएं तो समय रहते हेल्थ प्रॉब्लम को पहचानने से उसका ट्रीटमेंट संभव है।

ऐसे सेलिब्रेट करते हैं यह दिनः वर्ल्ड हेल्थ-डे को लेकर महत्वपूर्ण बात यह है कि हर साल आने वाले विश्व स्वास्थ्य दिवस का जश्न कैसे मनाएं, जिससे दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोग स्वास्थ्य संबंधी सजगता के दायरे में आएं। आमतौर पर इस दिन को तीन तरह से मनाया जाता है, सरकारी संस्थानों के जरिए, विभिन्न संस्थाओं के जरिए और आम लोगों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर। इस दिन आमतौर पर सभी स्कूल, कॉलेज और महत्वपूर्ण संस्थानों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने के लिए सेमिनार, रैलियां और हेल्थ कैंप आदि के आयोजन किए जाते हैं।

इस दिन तमाम अस्पताल और निजी क्लीनिक मरीजों को फ्री चेकअप की सुविधाएं देते हैं। कई बार इसके लिए कैंप्स लगाए जाते हैं। आमतौर पर मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच शिविरों में लोगों की ब्लड प्रेशर, बीएमआई और शुगर संबंधी समस्याओं की जांच होती है। वर्ल्ड हेल्थ-डे को सोशल मीडिया में हैश टैग के साथ सेलिब्रेट किया जाता है, जहां लोग आपस में हेल्थ टिप्स, अनुभव और जागरूकता संदेश साझा करते हैं। इस दिन विभिन्न प्रकार की फिटनेस गतिविधियां भी संपन्न होती हैं। योग, मैराथन, साइकिलिंग जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। कई देशों में इस दिन नई स्वास्थ्य योजनाओं या सुधारों की घोषणा होती है और पिछली योजनाओं, नीतियों का इस दिन आकलन भी किया जाता है। *

स्वस्थ जीवन के सात सरल सूत्र

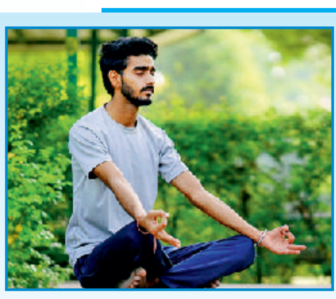

इस हेल्थ-डे पर यहां बताए जा रहे सात सरल सूत्रों को अगर अपनाने का संकल्प कर लें तो आपका तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेगा।

- प्रतिदिन सात से आठ घंटे की नींद को प्राथमिकता दें।
- प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास या एक्सरसाइज करें।
- अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें, क्योंकि इससे डिजिटल थकान बढ़ती है। इस समय दुनिया की यह सबसे बड़ी समस्या है और इसका असर आंखों और दिमाग दोनों पर पड़ता है।
- संतुलित आहार का सेवन करें। जंक फूड का कम से कम सेवन करें। अपने आहार में सभी जरूरी पोषक तत्वों को शामिल करें।
- अपने मानसिक स्वास्थ्य पर भी पूरा ध्यान दें। इसके लिए मेडिटेशन करें। लोगों के साथ अलग-अलग विषयों पर बातें करें। हंसी-मजाक करें और अपनी रुचि के साथ काम करें।
- बीमारी का इंतजार न करके हर छह महीने बाद अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराएं। इससे पता चलता है कि हम किस स्थिति में हैं।
- अपने आस-पास की स्वच्छ हवा, पानी और वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनें। इसके लिए जरूरी प्रयास भी करें।

पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम ये दो आदतें आज सिर्फ हमारे स्वास्थ्य से ही नाता नहीं रखतीं बल्कि करियर को ऊंचाई देने वाले सबसे प्रभावी लाइफस्टाइल टूल भी बन गए हैं। ये क्यों इतने इंपॉर्टेंट बन गए हैं, इसके पीछे कौन से साइंटिफिक कारण हैं, बता रहे हैं डिटेल में।

हैप्पी-सक्सेसफुल लाइफ के टूल्स अच्छी नींद-रेग्युलर एक्सरसाइज

लाइफस्टाइल
नरेंद्र कुमार

अपने करियर को ऊंचाई देने वाले, लाइफ को हैप्पी बनाने के लिए प्रभावी टूल के रूप में जहां अभी तक हमारी न्यू टेक स्किल को जरूरी माना जाता था, वहीं आज इसमें हमारी सेहत भी महत्वपूर्ण हो गई है और अच्छी सेहत बिना पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम के संभव नहीं है। इसीलिए आज हैप्पी लाइफ के साथ करियर में सफलता के लिए भी व्यायाम और पर्याप्त नींद को लाइफस्टाइल टूल की तरह देखा जा रहा है। अगर ये दोनों चीजें सही हैं, तभी हम बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं और यही आज कॅरियर में आगे बढ़ने का सबसे मजबूत आधार है।

यही कारण है कि आज नियमित व्यायाम तो केवल स्वास्थ्य साधन के रूप में नहीं देखा जा रहा बल्कि करियर ग्रोथ के प्रभावी टूल की तरह भी देखा जा रहा है और इसके वैज्ञानिक आधार हैं। न्यूरोसाइंस, साइकोलॉजी और हेल्थ रिसर्च लगातार यह साबित कर रहे हैं कि अच्छी नींद और फिट शरीर आज हमारे लिए पूंजी के सरीखे हैं और करियर के आईने में ये तेज रफ्तार ग्रोथ का आधार निर्मित करते हैं।

नींद-दिमाग को रिसेट करती हैः नींद को अकसर आराम का विषय माना जाता है, लेकिन यह आराम से ज्यादा सक्रियता प्रदान करने के लिए तरोताजगी प्रदान करता है। जब हम सोते हैं तो हमारा दिमाग दिनभर की जानकारियों को व्यवस्थित करता है, अनावश्यक सूचना को हटाता है और महत्वपूर्ण यादों को मजबूत करता है। इसके हमें करियर ग्रोथ के रूप में कई लाभ होते हैं। सबसे पहले तो हमारी निर्णय लेने की क्षमता न सिर्फ बढ़ती है बल्कि प्रभावी होती है। दुनिया के अनेक प्रबंधन सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि जो सीईओ रात में पर्याप्त नींद लेते हैं, उनके निर्णय अधिक स्पष्ट, ज्यादा संतुलित और ताजगी भरे होते हैं। वास्तव में थका हुआ दिमाग का मतलब होता है, हमारी नींद डिस्टर्ब है और जब नींद डिस्टर्ब होने से हमारा दिमाग थका होता है, तो हमारे निर्णय गलत साबित होते हैं।

सीखने की रफ्तार बढ़ती हैः पर्याप्त नींद लेने और नियमित व्यायाम करने से हमें सिर्फ निर्णय लेने में ही सहूलियत नहीं होती बल्कि नई तकनीक सीखने में भी हमारी गति, सामान्यतः तेज होती है। नींद की कमी से सीखने की क्षमता में 30 से 40 फीसदी तक का असर पड़ता है। जिन्हें नियमित रूप से अच्छी नींद आती है, उनका किसी भी विषय पर फोकस बेहतर होता है। आज के डिस्ट्रेक्शन भरे माहौल में भी वह अपना ध्यान जरूरी कामों और बातों पर केंद्रित कर पाते हैं। साथ ही उनका भावनात्मक संतुलन भी बना रहता है, क्योंकि नींद की कमी से चिड़चिड़ापन, तनाव और गुस्सा बढ़ता है, जो घर में ही नहीं कार्यस्थल पर भी हमें प्रभावित करता है। हमारे निजी और प्रोफेशनल रिश्तों को भी स्पष्टता देते हैं, जो कि करियर के लिए बहुत जरूरी होता है, क्योंकि इससे आत्मविश्वास भी बढ़ता है और हमारी रचनात्मकता भी निखर करके आती है।

हाई परफॉर्मेंस का सीक्रेटः कॉरपोरेट जगत में हम हाई परफॉर्मेंस सिर्फ अपनी स्किल और जानकारियों के आधार पर ही नहीं संभव कर पाते। इसके लिए शांत दिमाग और स्वस्थ शरीर भी बहुत जरूरी है और इन दोनों चीजों के लिए पर्याप्त नींद और नियमित व्यायाम आधार का काम करते हैं। जब नींद और व्यायाम के नतीजे को एक साथ देखा जाता है, तो यह हाई परफॉर्मेंस सिस्टम के सीक्रेट का सबसे मजबूत आधार होते हैं। अच्छी नींद और नियमित व्यायाम जब हमारी लाइफस्टाइल का हिस्सा होते हैं, तो हम हाई परफॉर्मेंस मोड पर होते हैं। जब कोई व्यक्ति 7 से 8 घंटे की नियमित और अच्छी नींद लेता है तथा हर दिन 30 मिनट का व्यायाम करता है, तो वह बहुत तेजी से सीखता है, बेहतर निर्णय लेता है, लंबे समय तक किसी भी समस्या या विषय पर अपना ध्यान फोकस करके रख सकता है और इन सबका नतीजा बेहतर कार्यक्षमता, हैप्पी फीलिंग, ज्यादा उत्पादन और ज्यादा से ज्यादा करियर रिवार्ड होता है। इसलिए कॉरपोरेट जगत की नए दस मूल्यवान सीक्रेट्स में नियमित व्यायाम और अच्छी नींद जरूरी हिस्सा बन गए हैं। डिजिटल थकान जो आज हमारी मेंटल फटीग का सबसे बड़ा कारण है, उस डिजिटल थकान से बचने का सौ फीसदी तरीका यही है कि हम नियमित रूप से हर दिन व्यायाम करें और हर रात अच्छी नींद सोएं। इसके लिए जो भी संभव उपाय हैं, उन्हें अपनाने में कोताही न बरतें। *

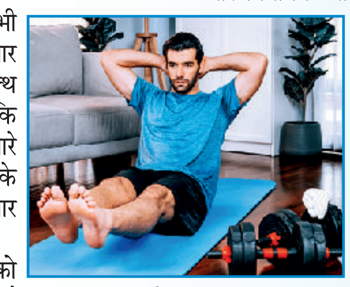

अपनाएं ये कारगर तरीके

सवाल है अच्छी नींद और नियमित व्यायाम का अनुशासन कैसे हासिल करें? पर्याप्त नींद के लिए जरूरी है कि हम हर रोज एक तय समय पर ही सोने की आदत डालें और एक निश्चित समय पर ही उठें। सोने से कम से कम एक-डेढ़ घंटे पहले मोबाइल स्क्रीन से खुद को पूरी तरह से दूर कर लें। रात का खाना सूरज डूबने के एक घंटे के पहले ही खा लें।

नियमित व्यायाम के लिए हर दिन नियम से 30 मिनट पैदल चलें, 10 मिनट दौड़ें और कम से कम दो योगासन रोज करें। अगर यह रोज संभव नहीं है तो सप्ताह में कम से कम पांच दिन जरूर करें, जिसमें हल्की स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी शामिल हो और इस सबके लिए सुबह का समय ही सर्वश्रेष्ठ है। जरूरी नहीं है कि शुरुआत में ही आपको ये बदलाव दिख जाएंगे। पर यह सच है कि छह महीने तक अगर आपने यह रूटीन कड़ाई से पालन कर लिया तो जिंदगी भर के लिए यह हैबिट बन जाएगी।

कविता
देवांशु

युद्ध

युद्ध में
अगर तुम जीत गए
तो कहलाओगे शक्तिशाली
अपनी देश की सीमा रेखा को
और आगे बढ़ाओगे
दुनिया तुमको सलाम करेगी।
युद्ध में
अगर तुम हार गए
तो दुनिया की नजर में
कमजोर कहलाओगे
भूख, बीमारी और गरीबी से
बरसों-बरस लड़ते रहोगे।
युद्ध सिर्फ क्रूरता, अमानवीयता
मानसिक नपुंसकता को दर्शाता है
मनुष्य बनो—
मनुष्य बनने के लिए
अपने हिंसक विचारों से युद्ध करो
अगर जीत गए
सचमुच मनुष्य कहलाओगे।

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

लाइफ में लिफाफे का होना लाजिमी

कवि सम्मेलन से लौटा हूं। पारिश्रमिक का मोटा लिफाफा जेब से मुंह निकालकर बाहर झांक रहा है। बच्चे बड़े हो चुके हैं। वे सब भी लिफाफों की इंपॉर्टेंस समझने लगे हैं। हालांकि इनमें से कोई भी आठ साल से ज्यादा उम्र का नहीं है, तथापि मोबाइल और टीवी चैनलों की असमय अनुकंपा से सब वयस्क हैं। पहले के बच्चे अठारह साल में एडल्ट हुआ करते थे। आज आठ साल में हो लेते हैं।

पत्नी को भी पता है, घर का खर्च पति से नहीं, लिफाफे से चलता है। वह जानती है कि पति से महत्त्वपूर्ण पत्रम्-पुष्पम् है। यों भी एक उम्र के बाद पति की औकात भी पत्ती-फूल अर्थात घास-फूस जितनी ही रह जाती है। मेरा स्थान भी लिफाफा ले चुका है। मैं कवि सम्मेलनों में रात-रात भर जागकर खुद भी लिफाफा बन चुका हूं। आज मंचों की कविता जितनी कमजोर हुई है, लिफाफे उसी अनुपात में मोटे हुए हैं। काव्य-रुचियां विकृत हुई हैं। चुटकुले सुनाकर हजारों रुपयों का पारिश्रमिक उगाहने वाले मंचीय कवियों के साथ तालमेल रखना सार्थक कवियों की मजबूरी बन चुका है।

मंचीय कविता ही क्यों, हमारी सकल जीवनशैली ही लिफाफामय हो गई है। काम नहीं बन पा रहा हो, लिफाफा पकड़ा दो। बाबू अफसरों को, अफसर आला अफसरों को और आला अफसर मंत्रियों को लिफाफे पहुंचा रहे हैं। सत्ता के ठेकेदारों के हाथों से फिसलता हुआ एक मोटा-सा लिफाफा मेज-दर-मेज सरकता हुआ अंततः मंत्री की आलीशान कोठी में प्रवेश कर जाता है।

इस लाइफ में यह लिफाफा नहीं, तो कुछ भी नहीं। किसी के यहां से उनके बच्चे के नाम का इनविटेशन आया है। बर्थ डे है। उपहार की जगह लिफाफा दे दो। जैसी पार्टी हो, वैसा लिफाफा होगा। शादी है। निमंत्रण पत्र मिला है। गिफ्ट क्या देना? सभी लोग देंगे ही। लिफाफा दे दो। ऐसा सादा वाला नहीं। वह वाला, जिस पर एक रुपए का चमचमाता हुआ सिक्का चिपका होता है। हालांकि आज एक रुपए की कोई वैल्यू नहीं, पर शगुन के लिए एक रुपया जरूरी है। एक सौ एक या पांच सौ एक देकर अपना भी शगुन हो लेता है। विद फैमिली दावत खाने को मिलती है। लिफाफा दिया है, तो वसूल भी तो करना है। आज के दौर में शादी-ब्याह, रिश्ते-नाते सब लिफाफों में सिमटकर रह गए हैं।

पिछले साल शादी के सीजन में पचासों बारातों में गया। विवाह एक नहीं देखा। इधर जयमाल की रस्म अदायगी हुई, उधर अपन दावत पर टूट पड़े। खाया, लिफाफा पकड़ाया और अपने घर भागे। आज शादियों में बाराती तो पांच सौ जाते हैं, पर फेरों के टाइम बमुश्किल बारह-चौदह लोग होते हैं। उनमें से भी अनिवार्य रूप से दो तो वे ही हुआ करते हैं, जिनको उस रोज दूल्हा-दुल्हन कहा जाता है। अब विवाह के समय लड़का-लड़की के पिता लोग सात फेरे नहीं, लिफाफे गिनते हुए मिलते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मासूम मन की लघुकथाएं

हम सब जिस समय में जी रहे हैं, वो बहुरूपी जटिलताओं से भरा हुआ है। ऐसे जटिल समय की छवियां किस तरह हमारे नौनिहालों के मासूम मन को प्रभावित करती हैं, इसका अनुमान लगाना सरल नहीं है। लेकिन हाल में मृदुल त्यागी के संपादन में छपकर आई संकलित लघुकथाओं की पुस्तक 'मासूम मन' को इस दिशा में किया गया गंभीर प्रयास कहा जा सकता है। लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल द्वारा तैयार की गई इस पुस्तक में वरिष्ठ, मध्य और नई पीढ़ी के कुल 94 रचनाकारों की लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं हमें ऐसी पगडंडियां मुहैय्या कराती हैं, जिनके जरिए हम वर्तमान दौर के बच्चों के मनोजगत में प्रवेश कर सकते हैं। इन लघुकथाओं से गुजरते हुए बच्चों के भीतर उठने वाले सवाल, उनके मन में व्याप्त चिंताएं, उनके भय, उनकी आकांक्षाएं और उनकी कोमल संवेदनाओं से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो पुस्तक की अधिकांश लघुकथाएं अच्छी हैं लेकिन कुछ लघुकथाएं ऐसी हैं, जो हमें झकझोरती हैं और आत्मविवेचन के लिए बाध्य भी करती हैं। मिसाल के तौर पर हमारे भीतर के पाखंड को 'छुटकी का प्रश्न' उजागर करती है तो सामाजिक विसंगतियों से संघर्ष का मासूम सा हौसला 'काश' में देखा जा सकता है। उपेक्षा के मनोविज्ञान को 'मैं कहां हूं' प्रकट करती है। नन्हे बच्चे से एक गिलहरी के रिश्ते की मार्मिक कथा को 'रिश्ता' में व्यक्त किया गया है तो 'सीधी रेखा' में एक बच्चे के कोमल मन पर लगे आघात को प्रभावी तरीके से प्रकट किया गया है। *

पुस्तकः मासूम मन (लघुकथा संकलन), **प्रधान संपादकः** कांता रॉय, **संपादकः** मृदुल त्यागी, **मूल्यः** 325 रुपए
प्रकाशकः अपना प्रकाशन, भोपाल

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

असली चेहरा

एक दिन वैभव ने जैसे ही टीवी ऑन किया, उसमें खबर चल रही थी कि एक वृद्ध मकान मालकिन की हत्या उसके किराएदार ने कर दी। कारण था कि वो उनसे पिछले छह महीने का बकाया किराया मांग रही थी। 'स्वाति इधर आओ जल्दी... ये खबर देखी!' वैभव ने पत्नी को आवाज लगाई। स्वाति दौड़कर वहां आई। समाचार देख-सुन कर वह फूट-फूटकर रो पड़ी, 'मां...मेरी मां..ये सब कैसे हो गया?' वह बिलखने लगी। 'किस मां के लिए रो रही हो तुम... वो मां, जिन्होंने हमें अपनाया नहीं। तुम्हें भागकर मुझसे शादी करनी पड़ी।' वैभव तेज आवाज में बोला। 'तो क्या हुआ, कोई विधवा मां कभी नहीं चाहेगी कि उसकी इकलौती बेटी अपने समाज से अलग जाकर शादी करे। उसकी सोच गलत नहीं थी। पर मेरी मां को इस तरह से मार दिया गया...।' वह फिर जमीन पर बैठकर रोने लगी। 'चुप हो जाओ... और जल्दी चलो मां के घर।' वैभव ने उसे उठाते हुए कहा। 'क्या कह रहे हो तुम...। जब मैं कहती थी कि मां से मिलकर आते हैं, तब तुम कहते थे कि मैं मरते दम तक उस घर में कदम नहीं रखूंगा और अब अचानक...।' स्वाति ने हैरानी से पूछा। 'पगली...अब मैं इसलिए कह रहा हूं कि मां के जाने के बाद उस करोड़ों के मकान की तुम इकलौती वारिस हो। अगर देर कर दी तो...' वैभव ने ललचाई जुबान में कहा। 'वाह वैभव वाह...। बहुत दूर की सोचते हो तुम...। तुम्हें इस समय कहना चाहिए था कि मां के हत्यारों को सजा दिलवाकर छोड़ेंगे...।' स्वाति ने आंसू पोंछते हुए बोली। 'सजा तो उसे अब भी मिलेगी...कम या ज्यादा, लेकिन मकान हाथ से निकल गया तो...। सजा हमें मिलेगी...। जिंदगी भर इस किराए के मकान में रहने की...।' वैभव निष्ठुर भाव से बोला। स्वाति आज वैभव का असली चेहरा देख रही थी, वो चेहरा जो कभी उसकी मां दिखाने की कोशिश करती तो वह उसे देखना पसंद नहीं करती थी। *

संजय के दीक्षित

तरकश

एमडी टू मिनिस्टर

तरकश के पिछले स्तंभ में बिजली कंपनी के एक एमडी के नवाबी ठसन का किस्सा बयां किया था...कैसे वे मंत्रियों की तरह अपने काफिले की पायलेटिंग कराते हैं। अब पता चला है कि एमडी अगला विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। उन्हें किसी ने कह दिया है कि अगर चुनाव जीत गए तो मंत्री पक्का बनोगे...जब ऐसे-वैसे लोग मंत्री बन सकते हैं तो तुम तो पढ़े-लिखे...बड़े इंजीनियर से एमडी पद पर पहुंचे हो। इसके बाद से एमडी के लटके-झटके अभी से मंत्रियों जैसे हो गए हैं। चुनाव लड़ने के लिए उनके मैडम भी खूब निभा रही हैं। जिस इलाके में चुनाव लड़ने की तैयारी है वहां धड़ाधड़ समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में गरीबों के बिजली बिल का बकाया बिल मैडम भुगतान कर देती हैं। पीछे बैठे जेई, एई जेब से मैडम को पैसे निकाल कर देते हैं, और मैडम उसे जमा करा देती हैं। फिर होता है...जय-जयकार। व्हाट एन आईडिया। अफसर रहते नेताओं जैसा जय-जयकार।

अफसर को एक्सटेंशन!

पीसीसीएफ और हेड ऑफ फॉरेस्ट श्रीनिवास राव का रिटायरमेंट का समय नजदीक आ गया है। अगले महीने 31 मई को उनकी सेवानिवृत्ति है। मगर इसी के साथ उन्हें एक्सटेंशन मिलने की अटकलें भी तेज हो गई है। जाहिर है, श्रीनिवास राव भूपेश बघेल सरकार में सात सीनियर अफसरों को सुपरसीड कर हेड ऑफ फॉरेस्ट बने थे। जब वे फॉरेस्ट के हेड बने थे, तब आश्चर्यजनक तौर से वे पीसीसीएफ भी प्रमोट नहीं हुए थे। और दिसंबर 2023 में विष्णुदेव साय की सरकार आने के बाद भी ढाई साल से पिच पर बने हुए हैं, तो उनमें कुछ तो बात होगी। वैसे उनके एक्सटेंशन की अटकलों के पीछे मजबूत पॉलिटिकल बैंकिंग बताई जा रही है। श्रीनिवास राव के निकटतम परिजन आंध्रप्रदेश में ऐसे कद्दावर नेता है, जिनके खेमे में दो दर्जन विधायक हैं। उसी गुट के सपोर्ट पर चंद्राबाबू नायडू की सरकार चल रही है और चंद्राबाबू के सपोर्ट पर केंद्र सरकार। तो फिर उनके एक्सटेंशन की खबरों को एकदम से खारिज नहीं किया जा सकता।

माटी पुत्र

श्रीनिवास राव के बाद सीनियरिटी में पहले नंबर पर अरुण पाण्डेय हैं। 94 बैच के आईएफएस अरुण हेड ऑफ फॉरेस्ट के प्रबल दावेदार हैं। मगर श्रीनिवास राव को एक्सटेंशन मिला तो फिर अरुण पाण्डेय को हेड ऑफ फॉरेस्ट बनने की संभावनाएं क्षीण हो जाएंगी। अलबत्ता, श्रीनिवास को अगर एक्सटेंशन न मिला तो फिर हॉफ के लिए मुख्य मुकाबला दो अंबिकापुरिया में होगा। अरुण पाण्डेय और ओपी यादव दोनों अंबिकापुर के रहने वाले हैं। याने दोनों में से कोई भी बने, कोई माटी पुत्र ही हेड ऑफ फॉरेस्ट होगा। बशर्ते एक्सटेंशन की चकरी न चले।

फोटो से परहेज

कोई भी नया बॉस आता है तो पहले दिन उसके पहुंचने पर ऑफिस के अधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया जाता है। मगर जनसंपर्क आयुक्त रजत बंसल ने ऐसा कोई मौका नहीं दिया। उन्हें पहुंचना था साढ़े बारह बजे, मगर आए चार बजे। संवाद भवन के पोर्च में कार से उतरे और बिना किसी लटके-झटके के सीधे फर्स्ट फ्लोर पर स्थित मीटिंग रुम में चले गए। चार्ज लेने और मीटिंग की फोटो के आग्रह को भी उन्होंने मना कर दिया। जनसंपर्क विभाग के हिसाब से ये ठीक भी है। दो-एक जनसंपर्क आयुक्त इसी फोटोबाजी के चक्कर में निबट गए थे। वे सीएम से अधिक अपनी फोटो लगे थे छपवाने।

मंत्रियों की प्रतिष्ठा

असम में छत्तीसगढ़ के तीन नेताओं को लोकसभावार प्रभारी बनाया गया है। इनमें केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, डिप्टी सीएम अरुण साव और वित्त और जीएसटी मिनिस्टर ओपी चौधरी शामिल हैं। ओपी को काजीरंगा लोकसभा इलाके के सर्वाधिक 10 विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। ओपी ई-ऑफिस सिस्टम का भरपूर फायदा उठा रहे हैं। सुबह से देर रात तक चुनावी कार्य और उसके बाद ई-ऑफिस पर अपने विभाग की फाइलों को निबटाना। बहरहाल, तीनों नेताओं की प्रतिष्ठा कसौटी पर होगी। जिसके लोकसभा में ज्यादा विधायक जीतेंगे, उनका नंबर बढ़ेगा।

नो ट्रांसफर

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक ट्रांसफर पर कुछ दिनों के लिए ब्रेक लग गया है। अब मई के फर्स्ट वीक तक जाकर ही कुछ हो पाएगा। बता दें, सूबे में कलेक्टर, एसपी, डीएफओ, जिला पंचायत सीईओ समेत डिप्टी कलेक्टरों के ट्रांसफर काफी दिनों से अवेटेड है। मगर सरकार ने फैसला किया है कि फिलहाल कोई चेंज नहीं किया जाए। जो होगा अब मई फर्स्ट वीक तक...या हो सकता है 15 मई तक चला जाए। इसकी एक बड़ी वजह पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं। इसमें छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में अफसरों की ड्यूटी लगी है। वेस्ट बंगाल में अप्रैल के अंत में वोटिंग है। सीएम सचिवालय के सूत्रों का कहना है, अफसरों के इलेक्शन से लौटने के बाद ही ट्रांसफर होंगे। याने मई ट्रांसफर का महीना रहेगा। जाहिर है, कई जिलों के कलेक्टर, एसपी, डीएफओ बोरिया-बिस्तर बांध कर प्रतीक्षा कर रहे हैं। मगर उन्हें अभी महीना-डेढ़ महीना और इंतजार करना पड़ेगा।

कमिश्नर रिटायर

रायपुर के डिविजनल कमिश्नर महादेव कावड़े अगले महीने सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 31 मई उनका लास्ट डेट रहेगा। इसलिए, रायपुर में नया कमिश्नर भी अपाइंट करना होगा। मई में होने वाली प्रशासनिक सर्जरी में नए रायपुर कमिश्नर भी शामिल होंगे। वैसे, सरकार ने प्रमोटी आईएएस को कमिश्नर बनाने का स्टैंडर्ड सेट कर दिया है। लिहाजा, अत्यधिक संभावना है कोई प्रमोटी आईएएस रायपुर का नया कमिश्नर बनेगा। भले ही वह मंत्रालय के सचिव स्तर का कोई अधिकारी क्यों न हो।

सिंगल ऑफिसर और हनी ट्रेप

बिलासपुर में आईजी लेवल के दो अफसरों को ट्रेप किया गया। ये दोनों सिंगल थे और जाहिर तौर से सिंगल वाले को फंसना-फंसाना ज्यादा आसान होता है। इसलिए, बिलासपुर के नए आईजी ज्वाईनिंग के साथ ही परिवार लेकर बिलासपुर चले गए। ऐसा करना भी चाहिए। बिलासपुर के कप्तान को भी सतर्क रहना चाहिए। बदमाशों, अपराधियों को वे लगातार जेल भेज रहे हैं। वैसे, हनी ट्रेप के शिकार ज्यादा सिंगल अफसर ही होते हैं। सिंगल वाले पर डोरे डालना आसान होता है। बिलासपुर संभाग के एक पूर्व कलेक्टर सिंगल रहने के चलते बाल-बाल बचे। हालांकि, बदनामी तो पूरी हो गई। बस्तर संभाग के एक कलेक्टर भी कब हनी ट्रेप के शिकार होकर मीडिया की सनसनी बन जाएं, कुछ कहा नहीं जा सकता। खतरा मंत्रालय में भी कम नहीं है। कई अफसर परिस्थितियोंवश सिंगल हैं। वहां कई सप्लाई कंपनियों और मेट्रो सिटीज के एनजीओ की कुड़ियां शिकार की तलाश में घूमती रहती हैं। कुल मिलाकर पावर और पैसा जहां है, वहां मधुमक्खियां मंडराएंगी ही। ऐसे अफसरों की पत्नियों को विशेष अलर्ट रहने की जरूरत है। वरना, बाद में पछताने के अलावा कोई चारा नहीं बचता।

नाइंसाफी?

सरगुजा से नक्सलियों का सफाया करने वाले आईपीएस अधिकारी एसआरपी कल्लूरी ऐसे घनचक्कर में फंस गए हैं कि सीनियर होने के बाद उन्हें डीजी बनने में लंबा वेट करना होगा। दरअसल, परिस्थितियां कुछ ऐसी बनी कि 94 बैच में सीनियर होने के बाद भी जीपी सिंह और एसआरपी कल्लूरी डीजी प्रमोशन से चूक गए। जीपी तो लड़-भिड़कर अपना प्रमोशन करा लिए मगर अत्यधिक तेज-तरार्र आईपीएस माने जाने वाले कल्लूरी पता नहीं क्यों ठंडे पड़ गए। और अब आगे उनके लिए कोई स्कोप भी नजर नहीं आता। डीजी के चार ही पद है। दो कैडर, दो एक्स कैडर। इन चार पदों पर इस समय अरुण देव गौतम, पवनदेव, जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता बैठे हैं। गौतम का अगले साल रिटायरमेंट है मगर कहीं पूर्णकालिक डीजीपी बन गए तो फिर उनका कार्यकाल दो साल का हो जाएगा। याने फिर 2028 में रिटायर होंगे। उसके बाद ही कल्लूरी का रास्ता साफ हो पाएगा। तिरूपति वाले बालाजी की कहीं विशेष चकरी चल गई तो फिर बात अलग है....सरकार चाहे तो उन्हें केंद्र से बात कर स्पेशल डीजी बना सकती है।

चंदे से शादी

अभी तक गांवों में अनाथ या गरीबों की बेटियों की शादी लोग जरूर चंदा देकर करा देते थे। मगर प्रभावशाली लोग ऐसा करने लगे तो ये ठीक नहीं। इससे सूबे में एक नई परिपाटी शुरू हो जाएगी। कुछ दिनों पहले एक मंत्री के साथ साये की तरह रहने वाले की शादी हुई, उसमें भी अधिकारियों, सप्लायरों से बड़ा चंदा हुआ। और इस समय फिर ऐसी ही वसूली हो रही है। रायपुर में अफसरों से कहा जा रहा...भले ही परचेजिंग तेज कर दो, मगर इतना चाहिए तो चाहिए। अब इसमें से उपर कितना पहुंचेगा और कितना चेले-चपाटी भाई साहब के नाम पर अंदर कर लेंगे, ये भी बड़ा प्रश्न है। सार यह है कि बड़े लोगों को इन सबको लेकर सजग रहना चाहिए।

बिना एसपी के डीआईजी

छत्तीसगढ़ में राज्य पुलिस सेवा का बड़ा बुरा हाल है। डिप्टी कलेक्टरों में 2013 बैच तक आईएएस अवार्ड हो गया मगर डीएसपी में अभी 2002 बैच में ही मामला अटका हुआ है। नाइंसाफी भी ऐसी कि जो आईपीएस बने, उन्हें एसपी बनने का मौका नहीं मिला। श्वेता राजमणि बिना एसपी बने ही डीआईजी प्रमोट हो गई। हालांकि, सरकार चाहे तो डीआईजी को भी एसपी बना सकती है मगर सिस्टम में समरथ को न दोष गोसाई जैसी स्थिति है। उमेश चौधरी भी आईपीएस बनकर पीएचक्यू में टाईम काट रहे हैं। उधर, मनोज खिलाड़ी कुछ सीनियर आईपीएस अफसरों के जोर लगाने पर जीपीएम जैसे जिले के एसपी बन पाए। जबकि, उनके बाहर से अतिक्रमण करके आए बैचमेट दो-दो, तीन-तीन जिले की कप्तानी कर चुके हैं। कुल मिलाकर रापुसे पर 'दुबर पर दो आसाढ़' वाली स्थिति है...एक तो आईपीएस अवार्ड में पीछे और उपर से आईपीएस हो गए तो बिना किसी एप्रोच के जिला नहीं मिल पाएगा।

डिप्टी कलेक्टरों के बुरे दिन

डीएसपी की जैसा हाल अब डिप्टी कलेक्टरों का भी होना है। 2013 बैच के 30 में से तीन आईएएस बने हैं। अभी 27 बचे हैं। 2014 बैच में भी 30 डिप्टी कलेक्टर हैं और 2015 बैच में उससे दुगुना। याने 60। हालांकि, आईएएस का कैडर रिवीजन में पद बढ़ गया है फिर भी अब आईएएस अवार्ड होने के लिए काफी पापड़ बेलने पड़ेंगे। हो सकता है कई को एडिशनल कलेक्टर से ही रिटायर होना पड़ जाए। इस समय राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की संख्या बढ़कर 448 पहुंच गई है। इतने छोटे राज्य में कभी इतना ज्यादा अफसर होते नहीं। मगर डिप्टी कलेक्टरों को जनपद सीईओ बनाने के लिए एक बार पद बढ़ाया गया तो फिर बढ़ता चला गया। इसका खामियाजा अब अफसरों को उठाना पड़ेगा।

'उड़ता छत्तीसगढ़'

दुर्ग पुलिस द्वारा हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद करने से हड़कंप मच गया है। हाइड्रोपोनिक गांजा बैंकॉक और हांगकांग के समुद्र में उगाया जाता है। यह इतनी कीमती है कि बाजार रेट इसका एक करोड़ रुपए किलो है। इसके बाद भी छत्तीसगढ़ में इसकी सप्लाई हो रही है तो समझा जाता है कि छत्तीसगढ़ में किस लेवल पर गांजे का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोकल गांजा लोवर क्लास के लोग इस्तेमाल करते ही हैं, लोगों को नशे की लत ऐसी लगती जा रही कि बड़े-बड़े लोग सिगरेट में भरकर गांजा पी रहे हैं। दुर्भाग्यजनक यह है कि छत्तीसगढ़ के कुछ युवा नौकरशाहों के नाम भी गांजे का सेवन करने में आ रहा है। वाकई, यह चिंताजनक है। आखिर नई पीढ़ी कहां जा रही है?

अंत में दो सवाल आपसे

1. किस तेज-तर्रार पुलिस अधीक्षक को हटाने के लिए नेताओं और माफियाओं ने नवरात्रि में बकरे की बलि दी है?

2. पूर्णकालिक डीजीपी का फैसला दो-एक दिन में होना है, अरुणदेव गौतम और हिमांशु गुप्ता में से किसके सिर सजेगा पुलिस प्रमुख का ताज?

ढाई दशक पूर्व गृह निर्माण ऋण घोटाला, तत्कालीन प्रबंधक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

गरीबों को कम कीमत पर कागज में मकान निर्माण कर एक करोड़ 86 लाख रुपए का घोटाला करने के एक और फरार आरोपी सहकारी आवास संघ मर्यादित भोपाल के तत्कालीन प्रबंधक प्रदीप कुमार निखरा को एसीबी, ईओडब्लू ने गिरफ्तार किया है। घोटाला में शामिल तत्कालीन गृह निर्माण सहकारी समिति के तत्कालीन अध्यक्ष थावरदास माधवानी तथा पर्यवेक्षक बसंत कुमार साहू को एसीबी, ईओडब्लू की टीम ने पिछले महीने 18 मार्च को गिरफ्तार किया है। घोटाला में शामिल दो अन्य की मृत्यु हो चुकी है।

- ईओडब्लू, एसीबी गृह निर्माण मंडल के तत्कालीन अध्यक्ष, पर्यवेक्षक को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है

इन सभी पर आरोप है कि अविभाजित मध्यप्रदेश के समय वर्ष 1995 से 1998 के बीच इन लोगों ने जरूरतमंद 186 लोगों के लिये संचालित सरकारी आवासीय योजना के नाम पर एक-एक लाख रुपए ऋण राशि प्राप्त की थी। भौतिक सत्यापन में ऋण अभिलेखों में दर्शाए गए स्थलों पर न तो मकान निर्मित पाया गया और न ही संबंधित ऋणधारी वहां मिले। जांच में कूटरचित दस्तावेजों, फर्जी प्रमाणपत्रों तथा आपराधिक षड्यंत्र के माध्यम से ऋण राशि के गबन किये जाने के तथ्य सामने आये। इसके बाद शासन ने मध्यप्रदेश लोकायुक्त से मामले की जांच के आदेश दिए। जांच में दोषी पाए जाने पर इन सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी, 406, 409, 420, 467, 468, 471 तथा 13 (1)(सी), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया। प्रदीप कुमार को कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने सात अप्रैल तक ईओडब्लू तथा एसीबी ने पुलिस रिमांड हासिल की है।

आलमारी से नकदी समेत साढ़े पांच लाख के जेवर चोरी

रायपुर। सिविल लाइंस थाने में एक महिला ने अज्ञात चोर के खिलाफ आलमारी से नकदी 50 हजार रुपए सहित साढ़े पांच लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कटोरा तालाब निवासी रेखा अजवानी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। रेखा ने पुलिस को बताया कि उसने 16 जनवरी को अपनी सास के कमरे की आलमारी में नकदी तथा जेवर रखे थे। दो माह बाद 21 मार्च को रेखा ने आलमारी खोलकर देखी तो जेवर तथा नकदी गायब मिले। रेखा ने अपने यहां काम करने वाली बाई पर नकदी तथा जेवर चोरी करने की आशंका व्यक्त की है।

टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता का विरोध, दिल्ली के रामलीला मैदान में शिक्षकों ने किया आंदोलन

रायपुर। शनिवार को दिल्ली के रामलीला मैदान पर देशभर से आए करीब 20 लाख शिक्षक अपनी नौकरी और अधिकारों की आवाज बुलंद करने एकत्रित हुए। इस आंदोलन में देश भर के सभी राज्यों के शिक्षक शामिल हैं। इनमें छत्तीसगढ़ से भी 5 हजार से अधिक शिक्षक रैली में शामिल हुए। फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आयोजित इस आंदोलन में देश भर के शिक्षकों ने टीईटी परीक्षा के अनिवार्यता का जमकर विरोध किया। रैली का नेतृत्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनीष मिश्रा, केदार जैन, रविंद्र राठौर, बसंत कौशिक, राजू टंडन, धर्मदास पाटील सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा ने मंच का संचालन किया। रैली में शामिल शिक्षक नो टीईटी, बिफोर आईटीआई एक्ट का नारा बुलंद करते रहे। दरअसल, टीईटी परीक्षा की अनिवार्यता को लेकर देश भर के शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है, देश भर के शिक्षकों ने रामलीला मैदान दिल्ली में शनिवार को संसद में विधेयक लाकर टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग, नियुक्ति की मूल सेवा शर्तो का सम्मान करने सहित 20 से 25 वर्षो से सेवा कर रहे शिक्षकों को नई परीक्षा के नाम पर प्रताड़ित करना बंद करने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया।

किशोर से मारपीट, बदमाश को पिंक पेट्रोलिंग ने पकड़ा

रायपुर। महिलाओं के साथ घटित अपराध को रोकने गठित महिला पुलिस की पिंक पेट्रोलिंग टीम ने सार्वजनिक स्थान पर एक किशोर के साथ मारपीट करने वाले बदमाश को पकड़कर पुरानी बस्ती थाने की सुपुर्द किया। पिंक पेट्रोलिंग टीम की प्रभारी निरुपमा सिंह अपने स्टाफ के साथ पेट्रोलिंग पर थीं।

छ.ग. राज्य बाल कल्याण परिषद् एवं परिषद् द्वारा संचालित
वाणी-वाचन, श्रवण एवं बहु प्रशिक्षण पुनर्वास केन्द्र
(शिक्षा का मंदिर स्कूल माधव राव सप्रे शाला परिसर, बुढ़ापारा रायपुर)

S. No.	Post	Candidate Male	Candidate Female	Essential Qualification
01	Supretendent	01	01	MSW/M.A. Sociology, M.A. Psychology&maximum 2 to 5 Years Experience & PGDCA
02	Accountant cum Data Entry Operator/ Office Work	01 01	01 01	B.com & PGDCA Tally Minimum 2 year Experience B.com & DCA/ PGDCA
03	Recepnist	01	01	Graduation & DCA/PGDCA
04	Speech Therapist	01	01	DHLS/Paramedical Speech Therapy/Speech Language & Hearing Course Approved by RCI
05	Special Educator	04	04	B.EdSpl ID/LD D.EdSpl Ed. IDD/MR course Approved by RCI
06	Staff Nurse	01	01	ANM & GNM Minimum Experience 2 years
07	Care Taker & Aya	02	02	8th Class Pass
08	Guard	02		8th Class Pass
09	Audio Logist	01 Male/Female		BSLP
10	Case Worker	01 Male/Female		MSW, Sociology
11	Physiotherapist	01 Male/Female		BPT

शर्ते- अ.आयु तथा शर्ते परिषद् के नियमानुसार पदों कि संख्या बढाई या घटाई जा सकती है।
ब.आवेदन सादे पेपर में तैयार कर स्वयं या स्पीड पोस्ट के माध्यम से दिनांक 18 अप्रैल 2026, संध्या 04 बजे तक निम्न पते पर जमा कर सकते हैं।
स.अम्मीदवार अपना मोबाइल नंबर एवं ईमेल पता आवेदन पर अवश्य लिखे।
द. वेतन योग्यतानुसार।
न. बंद लिफाफे के ऊपर पोस्ट का विवरण लिखना आवश्यक है।
टीप:- साक्षात्कार तिथि 25 अप्रैल 2026
पता:- माधव राव सप्रे शाला परिसर, बिजली ऑफिस के पास, बुढ़ापारा रायपुर (छ.ग.)
कार्यालय दूरभाष नं. 9174888001, 9174888005, 91748-88015, 0771-2235211
ईमेल-cgsccwel@gmail.com
महासचिव
"छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद्"

केनरा बैंक Canara Bank — भारत सरकार का उपक्रम — A Govt. of India Undertaking — सिंडिकेट Syndicate

केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल फोन : 8989014648

ई-नीलामी सूचना

परिशिष्ट - IV क [नियम 8(6) एवं 6(2) का परन्तुक देखें]

चल/अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8(6) एवं 6(2) के अन्तर्गत अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु विक्रय सूचना

आम जनता को साधारणतः एवं निम्न वर्णित अचल संपत्तियों के ऋणियों एवं जमानतदारों को विशेषतः सूचित किया जाता है कि निम्नवर्णित संपत्तियाँ **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के पास बंधक है तथा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे वर्णित संपत्तियों का उसके **कब्जा** ले लिया गया है। निम्नवर्णित संपत्तियों का विक्रय दिनांक **28/04/2026** को **केनरा बैंक (सुरक्षित लेनदार)** के बकाया राशि को वसूल करने हेतु ''जैसा है जहां है, जो है जैसा है'' एवं ''जो कुछ भी है'' के आधार पर किया जा रहा है।

शाखा एवं खाते/ जमानतदार का नाम	संपत्ति का विवरण एवं संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक / बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि / बिड बढ़ाने की राशि
ऋणी: **मेसर्स लालचंदानी केमिकल्स प्रोपराइटर- श्री संजय लालचंदानी** ब्लॉक बी, प्लॉट नंबर 10 औद्योगिक क्षेत्र सिलपहरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001 **श्री संजय लालचंदानी**	भूमि एवं भवन (लीज होल्ड संपत्ति) स्थित सिलपहारी औद्योगिक क्षेत्र, ब्लॉक बी, प्लॉट नंबर 10, खसरा नंबर 18 और 42 का भाग, मौजा- सिलपहारी, तहसील- बिल्हा, जिला- बिलासपुर, छत्तीसगढ़ क्षेत्रफल 2000 वर्गमीटर 21528 वर्गफिट, संपत्ति मालिक- मेसर्स लालचंदानी केमिकल, द्वारा प्रोपराइटर- श्री संजय लालचंदानी पुत्र वीरदेव लाल लालचंदानी के नाम पर आवंटित, लीजहोल्ड पीरियड 06.05.2022 से शुरू होकर 05.05.2121 को समाप्त होगा चर्तुसीमाएं: पूर्व-प्लॉट नंबर 11, पश्चिम-प्लॉट नंबर 9, उत्तर-प्लॉट नंबर 43 ए बी और सी, दक्षिण- 24 मीटर चौड़ी सड़क • भूमि/शेड-भवन का उपयोग केवल उद्योग स्थापित करने के लिए किया जा सकता है। • सफल बोलीदाता द्वारा राज्य सरकार/उद्योग निदेशालय/जिला व्यापार और औद्योगिक केंद्र/सीएसआईडीसी लिमिटेड द्वारा आवंटित भूमि/शेड के लिए उस समय प्रचलित भूमि हस्तांतरण शुल्क और ब्याज सहित पुराने बकाया का भुगतान करना होगा। • अनुमति उसी प्रयोजन के लिए होगी जिसके लिए भूमि/शेड भवन आवंटित किया गया है। • खरीदार को संपत्ति का कब्जा प्राप्त होने की तारीख से 90 दिनों के भीतर भूमि आवंटन/हस्तांतरण के लिए आवेदन जमा करना होगा। सांकेतिक कब्जा BAANKNET PROPERTY ID: CNRB311983022 COORDINATES: 22.01818, 82.191135	24/06/2024 17/09/2024 दि. 04/04/2026 को ₹ 19,86,210.43 +ब्याज एवं अन्य खर्चे	₹ 44,80,000/- ₹ 4,48,000/- ₹ 10000/-

धरोहर राशि (ईएमडी) जमा करने की अंतिम तिथि 27/04/2026 या उससे पूर्व सायं 5.00 बजे तक
ई-नीलामी की दिनांक एवं समय : 28/04/2026, दोपहर 12.00 से दोपहर 2.00 बजे तक (5 मिनिट के असीमित विस्तार पर)

(1) इच्छुक बोलीदाताओं को आरक्षित मूल्य की 10% अग्रिम राशि (ईएमडी) सीधे मेसर्स पीएसबी अलायंस प्राइवेट लिमिटेड (baanknet.com) पोर्टल के ई-वॉलेट में जमा करनी होगी या चालान जनरेट करके बोली जमा करने की उपरोक्त तिथि को उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करनी होगी।
(2) सफल बोलीदाता को बिक्री मूल्य का 25% (पहले से भुगतान की गई ईएमडी सहित) उसके पक्ष में बिक्री होने के तुरंत बाद जमा करना होगा और शेष राशि बिक्री की पुष्टि की तिथि से 15 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। यदि सफल बोलीदाता उपरोक्त अनुसार बिक्री मूल्य का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसके द्वारा जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी।
(3) सभी शुल्क, स्टांप शुल्क/जीएसटी पंजीकरण शुल्क आदि, जैसा लागू हो और कोई भी कर, राजस्व/किसी भी स्थानीय प्राधिकारी को बकाया आदि केवल सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबपोर्टल http://BAANKNET.com देखें अथवा सम्पर्क करें- मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, प्लाट नं. 4, पीएसपी एरिया, एम्स के पास, साकेत नगर, भोपाल 8989014648, 8057766078, 9691096410, 9123403299 (भोपाल), 7905027805 (जबलपुर एवं बिलासपुर), 7683068902 (रायपुर), 9140476074 (ग्वालियर), 9830130770 (इंदौर), 8073562754 (BHOPAL)
दिनांक : 04.04.2026, स्थान : भोपाल
प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट होगा।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला — मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर — क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ — रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

बिना अनुमति डीजे बजाया पुलिस ने किया जब्त

रायपुर। कबीर नगर पुलिस ने बिना अनुमति डीजे बजाने वाले के खिलाफ कार्रवाई करते हुए डीजे वाहन जब्त कर लिया। इस मामले में डीजे संचालक नंदकिशोर सुनानी (ओडिशा) और दुष्यंत साहू (गरियाबंद) के खिलाफ कोलाहल अधिनियम तथा मोटर व्हीकल एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस जांच में पाया गया कि दोनों संचालक बिना वैध अनुमति डीजे बजा रहे थे, जिससे सार्वजनिक शांति भंग होने की स्थिति बन रही थी। जबकि पूर्व में पुलिस द्वारा बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि बिना अनुमति डीजे संचालन नहीं किया जाएगा। चेतावनी के बावजूद नियम तोड़ने पर यह कार्रवाई की गई।

शब्द पहेली - 6186

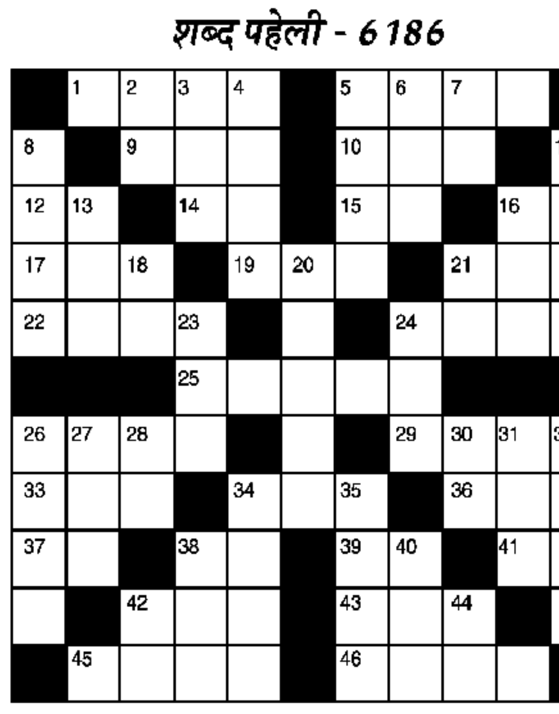

बाएँ से दाए
1. सरदार, अगुआ-4
5. जनमत, एक राय-4
9. पुराना जुकाम-3
10. चिंता, परवाह-3
12. पैंदा, तल्ला-2
14. ताल, सुर, आलाप-2
15. महोदय (अंग्रेजी-2)
16. लाडला, दुलारा-2
17. निवास करना-3
19. डोली उठाने वाले-3
21. नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22. तड़फाना-4
24. जल में रहनेवाला-4
25. दरियादिल, करुण-5
26. इराक की राजधानी-4
29. भेंट, पुरस्कार-4
33. पासों से भविष्य देखना-3
34. अश्ववाहक, घुड़सवार-3
36. चौकसी, रखवाली-3
37. हलक, कंठ-2
38. सदैव-2
39. लार -2
42. निश्चित-2
42. कालीन-3
43. बंदर, मर्कट-3
45. किसान-4
46. इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे
2. क्रिकेट में बनते हैं-2
3. नगमा, गीत (उर्दू-3)
4. जो लायक न हो-4
5. अधिकारी, अफसर-4
6. राशिचक्र की एक राशि -3
7. झगड़ा, बैर-2
8. आदत, व्यवहार-4
11. शमशीर-4
13. तरंग, हिलोर-3
16. तृष्णा, लोभ-3
18. अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20. जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21. नीर, पानी-2
23. देवर्षि-3
24. ईर्ष्या, डाह-3
26. वटवृक्ष-4
27. जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28. दलहन-2
30. मंत्र जाप-2
31. तसल्ली, आराम-3
32. भगवान विष्णु-4
34. धर्मशीलता-4
35. पैजामा-4
38. तमीज-3
40. साजन, प्रेमपात्र-3
42. पहरा, चौकसी-2
44. अवकाश-2

शब्द पहेली- 6185 का हल

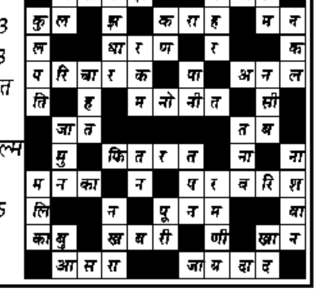

सूडोकु नवताल- 6196

★★★★☆ मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6195 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

अहलूवालिया हॉस्पिटल
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

श्री सांई केयर हॉस्पिटल
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सोमवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंती विहार, रायपुर, फोन : 0771-4060929, मो. 7389485756

प्रथम पृष्ठ का शेष

छुट्टी के दिन...

मामले में विस्तृत हलफनामा दाखिल करने कहा है। इसमें अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी गई है। ध्यान रहे कि आरटीई के तहत मामले की सुनवाई पहले से चल रही है। इस याचिका पर 8 अप्रैल को सुनवाई होनी थी। हरिभूमि की खबर के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने शनिवार को ही सुन लिया। हाईकोर्ट ने पूछा है कि जब सत्र शुरू हो चुका है तो गरीब बच्चों का दाखिला कब होगा, क्या प्रशासन की लापरवाही से हजारों बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। **पूरी एडमिशन प्रक्रिया में अगस्त बीत जाएगा**-इधर एडमिशन प्रक्रिया पर नजर डालें तो आरटीई के तहत छात्र पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च रखी गई थी। अब प्राप्त आवेदनों को नोडल अधिकारी द्वारा जांच के बाद स्वीकृत किया जाएगा। काउसंलिंग प्रक्रिया में 13 से 17 अप्रैल तक लॉटरी एवं आवंटन होगा। जिसके बाद छात्रों को 1 से 30 मई तक प्रवेश लेने होंगे। द्वितीय चरण की प्रक्रिया 8 जून से शुरू हो जाएगी। जिसमें नए स्कूलों का रजिस्ट्रेशन होगा। उसके बाद 1 से 11 जुलाई तक छात्र पंजीयन होंगे। फिर 27 से 31 जुलाई तक लॉटरी एवं आवंटन होगा। जिसके बाद छात्रों को स्कूल में दाखिला 3 से 17 अगस्त तक लेना होगी।

क्या है मामला...

को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के प्रभार से हटाते हुए उन्हें कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, गौरेला में पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया। उक्त आदेश से क्षुब्ध होकर श्रीमती शुभा द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कलेक्टर के आदेश को चुनौती दी गई।

शासन की अनुमति...

कर कलेक्टर का आदेश निरस्त कर दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता को पुनः मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत, गौरेला के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया।

अशरफी नए शहर...

देगा। इधर जिन पद से हटाए गए काजी के खिलाफ 11 महिलाओं ने शोषण की शिकायत की है, अब वक्फ बोर्ड उनके खिलाफ एफआईआर कराने की तैयारी में है। विधिक सलाह लेने के बाद एफआईआर कराई जाएगी। काजी अभी फरार है।

पुराने काजी के...

रोष है। ऐसे में अब वक्फ बोर्ड इस मामले में विधिक सलाह लेकर अपनी तरफ से एफआईआर कराएगा ताकि काजी को उप्र से पुलिस लेकर यहां आए और सारे मामले में उससे पूछताछ करे। ऐसी शर्मनाक हरकत करने वाले को कताई बख्शा नहीं जाएगा। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

सीडीएस जनरल...

षड्यंत्र रचने की स्थिति में नई दिल्ली द्वारा करारा जवाब दिए जाने का ऐलान किया है। वहीं, दूसरी घटना में शनिवार को प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने उत्तरी-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा (एलओसी) सहित सेना की 15वीं कोर के रणनीतिक इलाकों का दौरा कर वहां बने हुए सुरक्षा हालात का विस्तृत रूप से जायजा लिया है। जिसकी जानकारी एक बयान के जरिए रक्षा मंत्रालय ने दी है। यहां बता दें कि चिनार कोर मुख्य रूप से पाकिस्तान के खिलाफ जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाली सेना की उत्तरी कमांड (15वीं कोर) का एक महत्वपूर्ण अंग है।

मौसम ने ली...

संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर से लेकर मध्य भारत तक के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

चुनाव आयोग जैसी...

समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं। वे एक ऐसा तंत्र हैं, जिसके माध्यम से राजनीतिक सत्ता का गठन होता है। हमारे संवैधानिक लोकतंत्र ने यह भली-भांति सिद्ध किया है कि समय पर चुनाव होने के कारण सरकार में परिवर्तन सुचारू रूप से होते हैं। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण का अर्थ, वास्तव में, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर ही नियंत्रण है।

इतिहास से सबक...

अदालतें काम करती रह सकती हैं, संसद द्वारा कानून बनाए जा सकते हैं और फिर भी, सत्ता पर प्रभावी रूप से कोई अंकुश नहीं रहता, क्योंकि ढांचागत अनुशासन अब मौजूद नहीं रहता।

वैधानिक संस्थाओं...

एक संरचनात्मक सुरक्षा कवच का काम करती है, जो सार्वजनिक शक्ति के प्रयोग में निष्पक्षता, जवाबदेही और संतुलन सुनिश्चित करती है।

उड़ नहीं पा रही....

अलायंस एयर लाइंस कंपनी ने रायपुर के साथ जगदलपुर और अंबिकापुर को नए शहरों से हवाई कनेक्टिविटी दी। योजना के तहत यात्रियों को फिक्स फेयर में उड़ान सुविधा प्रदान की जा रही है।

गावों की गलियां,...

व पशुओं को उठाना पड़ चुका है जिसमें सैकड़ों सुरक्षाकर्मी व आम नागरिकों की मौत हो चुकी है। बस्तर रेंज में माओवादी संगठन द्वारा लगाए गए आईईडी वर्तमान में भी सुरक्षा बलों, आम नागरिकों तथा क्षेत्र के पशुओं के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। 35 वर्षों में 1289 विस्फोट, 527 शहीद, 161 नागरिकों की मौतः 1991 से 31 मार्च 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में कुल 1289 आईईडी विस्फोट की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

जंगल में महुआ...

चिनिया, सहित 5-6 अन्य गावों के आसपास विचरण कर रहा है। वन विभाग द्वारा हाथियों के मौजूदगी को देखते हुए लोगों को जंगल में नहीं जाने की समझाइश दी गई थी लेकिन सूचना के बाद भी शनिवार की सुबह एक बच्ची जंगल में महुआ बीनने चली गई थी, बताया जा रहा है कि जंगल में महुआ बीनते समय 14 वर्षीया बच्ची का सामना हाथियों के दल से हो गया। दल में शामिल हाथियों ने बच्ची को उठाकर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। मृतका की पहचान ग्राम बरदरिया निवासी 14 वर्षीया पिंकी कुमारी आ. बंबईया के रूप में की गई है।

राघव बोले-क्योंकि...

घायल हूं इसलिए घातक हूं। चड्ढा की यह प्रतिक्रिया आप द्वारा उन पर किए गए तीखे हमले के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ संसद में आवाज उठाने से कतराने का आरोप लगाया गया था। राज्यसभा में 'आप' के उपनेता पद से हटाए जाने के एक दिन बाद चड्ढा ने शुक्रवार को कहा था कि मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना। चड्ढा ने इस आरोप को 'सरासर झूठ' बताया कि उन्होंने विपक्षी दलों के साथ बहिर्गमन नहीं किया। उन्होंने अपने आलोचकों को चुनौती दी कि वे एक भी ऐसा उदाहरण पेश करें जहां उन्होंने (बहिर्गमन में) भाग नहीं लिया हो।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- सलवार सूट, ब्लाउज सिलाई करने वाले की आवश्यकता है विशेष प्रोफेशनल सिलाई कार्य केवल एक माह में सिखाया जाता है सम्पर्क करें- परफेक्ट बुटीक मुंगेली नाका बिलासपुर 7389444785 (40458)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी कम्पनी में कार्य करने हेतु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें, गार्ड की ऊंचाई 5'-5₹ होना अनिवार्य तथा 10वीं पास होना चाहिए, अनुभवी को वरीयता दी जाएगी, वेतन 11000/- से शुरु अच्छे व्यक्ति के लिए वेतन में वृद्धि किया जाएगा, मिलने का समय 10 से 6बजे, सम्पर्क- उमा सिक्योरिटी सर्विसेज, बहतराई स्टेडियम चौक के पास, बिलासपुर, 9981630084, 94255 34940 (40465)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट बार हेतु वेटर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क- सूर्या बार एण्ड रेस्टोरेन्ट, पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9993583617 (फोन करने का केवल समय प्रातः 11 से 5 तक) (40462)

आवश्यकता है- घर में रहकर घरेलू खाना बनाने के लिए अनुभवी पुरुष कुक (व्यक्ति) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9827195555 (40463)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल दुकान हेतु अनुभवी सेल्समेन, माल निकालने हेतु लड़के/ लड़की, लोकल में माल छोड़ने हेतु एवं पैकिंग हेतु लड़कों की। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी/ ट्रेडर्स, तेलीपारा बिलासपुर (26-27/0008)

आवश्यकता है- मार्केटिंग कार्य करने हेतु अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है सम्पर्क करें- रामकृष्णा हॉस्पीटल रौनक भवन गांधी चौक बिलासपुर 9770528914, 07752 412828 (40466)

आवश्यकता है- ट्रॉली कारखाना में काम करने वाले वेल्डर, हेल्पर की आवश्यकता है। पूरे साल काम की गारंटी, परिवार सहित रहने पर खेती/ सब्जी लगाने हेतु 40 डिसमील जमीन फ्री में उपलब्ध कमरा, बिजली, पानी मुफ्त सुविधा सम्पर्क करें- अमित कौशिक 9827892413 (40464)

आवश्यकता है- कंस्ट्रक्शन साइट में ईमानदार चौकीदार की आवश्यकता है, परिवार वाले को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9303159900, 70007 84237 (40440)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में माल निकालने एवं कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- भारती इलेक्ट्रीकल, वृन्दावन परिसर के पास मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9641114111 (40448)

आवश्यकता है- Srijan Alloys & Steel Pvt. Ltd. बिलासपुर (सिलपहरी) उपलब्ध पद B.Sc/ B.Com (फ्रेशर एवं अनुभवी), स्टोर कीपर, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, वेल्डर, लेथ ऑपरेटर (अनुभव उवर्ष से अधिक) सम्पर्क करें- एचआर विभाग 9301548687 (40455)

Required - Two Office staffs for TDS and Bank Audit Qualification- B.Com and above (English medium compulsory) Salary based on qualification and skill Contact- M/s Sushil & Surendra (Chartered Accountants) Shrikant Verma Marg, Bilaspur 9589009993 Email- casurendra@yahoo.co.in (40418)

आवश्यकता है- फार्म हाउस में काम करने के लिए एक अनुभवी माली की अतिशीघ्र आवश्यकता है। 24 घंटे रहने की सुविधा उपलब्ध है। तत्काल सम्पर्क करें- 93433 35328 (40463)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं माल निकालने, पैकिंग कार्य हेतु युवक युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री गुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल काम्पलेक्स 930135 7092 (40447)

आवश्यकता है- टेलीकॉलर फीमेल- 2पद, कम्प्यूटर ऑपरेटर-1 पद ऑफिस बॉय की आवश्यकता है अपना बायोडाटा भेजें 6263077177, 7805884040 (40432)

आवश्यकता है- खाना बनाने के लिए लड़की कुक की आवश्यकता है नाश्ता खाना सभी के लिए अनुभवी हो। रहने एवं खाने की सुविधा वेतन 8000 महीना वाने सम्पर्क करें- 9752595404 (40417)

आवश्यकता है- अनुभवी नशा मुक्त कार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन 15000 सम्पर्क करें- सक्षम टीएमटी सुनयन चश्मा के बगल में, सदर बाजार, करोना चौक बिलासपुर (40413)

आवश्यकता है
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउन्टर स्टॉफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल
मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करेः- सुबह 11 से 01 बजे तक
07752-226296, 402543

आवश्यकता है- (1) पैकिंग कार्य हेतु लड़कों (2) साफ सफाई हेतु लड़कियों (3) ई-रिक्शा ड्राइवर (4) कम्प्यूटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- भारत बैग हाउस मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर (40451)

आवश्यकता है- थोक आलू प्याज दुकान में मैन्युअल अकाउंट एवं सामान्य कार्य हेतु युवक (20-30 वर्ष), कार्य समय सुबह 9 से रात्रि 8बजे आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- व्यापार विहार बिलासपुर 9300328370 (40452)

आवश्यकता है- कोरियर आफिस में शिक्षित कम्प्यूटर जानकार लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सिर्फ काम के इच्छुक बायोडाटा सहित आफिस आकर सम्पर्क करें- डीटीडीसी कोरियर, कृष्णा नेत्रालय के सामने, सीएमडी कालेज के पास, लिंक रोड बिलासपुर 9340092315 (40446)

आवश्यकता है- अनुभवी हिन्दी टाइपिस्ट, आया (दीदी) एवं सिक्युरिटी गार्ड की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड सरकण्डा बिलासपुर 9109139971, 9301275222 (40433)

आवश्यकता है- गोड़पारा स्थित घर में काम करने हेतु एक लड़की या तलाकशुदा महिला की आवश्यकता है जिनके बच्चा नहीं हो। घर में रहना, खाना सेलरी। अपना आधार कार्ड व्हाट्सएप करें- 8103072149 (40457)

आवश्यकता है- बिलासपुर, सरकंडा, पुराना बस स्टैण्ड, कोनी, सिरगिट्टी, परसदा, तिफरा हेतु सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन 9000 से 10000 आवास मुफ्त सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 9993336942, 95893 16942 (40450)

आवश्यकता है- हेमू नगर बिलासपुर में स्वस्तिक कॉस्मेटिक एवं आभूषण दुकान में काम करने के लिए लड़कियों/महिलाओं की जरूरत है सम्पर्क करें- 72800 69441 (40431)

आवश्यकता है
प्राचार्य- 8 पद
(डिप्लोमा इले., बी.ई. इलेक्ट्रीकल)
प्रशिक्षण अधिकारी- 10 पद
(इले., आई.टी.आई. पास, डिप्लोमा इले., बी.ई. मैकेनिकल, डिप्लोमा मैकेनिकल)
अनुभवी को प्राथमिकता
प्राचार्य
न्यू महाराणा आईटीआई
लोधीपारा पुराना सरकंडा बिलासपुर
9203905369
9203914561
9425556340

आवश्यकता है- ई-ऑटो वर्ल्ड, महाराणा प्रताप चौक में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर-2, हाउस कीपिंग स्टाफ-3, कार ड्राइवर-2, कमर्शियल ड्राइवर-2, थ्रीव्हीलर मैकेनिक-2 , हेल्पर-2 की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 8602735319, 83193 41653 (40454)

आवश्यकता है- Zee Guard सोलर कंपनी को Sales Manager, फिल्ड ऑफिसर, सोलर लगाने हेतु आपरेटर, हेल्फर एवं एक Office Boy (Peon) की आवश्यकता है । वेतन 10000 से 35000 सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा, अग्रसेन चौक, बिलासपुर 6269222001, 8085045559 (40456)

आवश्यकता है- फर्नीचर काम के लिए सेल्समैन की आवश्यकता है स्वयं की बाइक एवं मोबाइल अनिवार्य चांपा या जांजगीर क्षेत्र और तखतपुर या मुंगेली क्षेत्र के लोग सम्पर्क 9300350334 (40420)

आवश्यकता है- बुधवारी बाजार स्थित नये ज्वेलरी शोरूम में बिलिंग और सेल्स हेतु अनुभवी स्टाफ की अतिशीघ्र आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी ही सम्पर्क करें- 9179999901, 99933 00448 (40436)

आवश्यकता है- (M/F) अकाउंटेंट सुपरवाइजर, हेल्पर (समय 10.30 से 8) चाहिए सैलरी योग्यता अनुसार अनुभव 2वर्ष सम्पर्क करें- Farmers Pride नेचर सिटी गेट से 200 मीटर आगे, सकरी रोड उसलापुर 91792 94949, 7225849081 (40438)

Required - Job Vacancy Sales Consultant (Telecaller) Qualification- Graduate Experience- Minimum 6 Months to 1 Year Required. Salary 8000+ Incentive Place- Rajkishor Nagar, Bilaspur Contact- 8815446519 (40441)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में फुल टाइम माल लोडिंग, अनलोडिंग हेतु शारीरिक रूप से स्वस्थ 18 से 40वर्ष के लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीशारदा इंडस्ट्रीज इंडस्ट्रीयल एरिया तिफरा बिलासपुर 78699 19759 (40443)

आवश्यकता है- गेस्ट हाउस में ऑफिस दो लड़के, रूम सर्विस हेतु दो लड़के, खाना बनाने हेतु एक मिsस्त्री चाहिए। रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- मैग्नेटो मॉल के सामने, बिलासपुर 9243591860, 8988888542 (40439)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं माल निकालने लड़के, लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- श्रीराम ट्रेडर्स, अजित होटल के पीछे, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9425219248, 9039776336 (बायोडाटा व्हाट्सएप करें) (40428)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन, दुकान में माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जयदेव मेडिकल एजेन्सी, अयप्पा मन्दिर रोड, भारतीय नगर बिलासपुर 9993303951 (40444)

आवश्यकता है- मस्तूरी स्थित क्रेशर मे कार्य करने हेतु अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे टैली जीएसटी, एवं,एक्सेल की जानकारी हो. वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें - 8226070511, 86515 02408 (40445)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में काम करने के लिए दो युवको की आवश्यकता है वेतन 15000 तक योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- नटराज इलेक्ट्रीकल्स दुर्गा मन्दिर के पास नया सरकंडा बिलासपुर 9098195247 (40427)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्समैन एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के की। वेतन अनुभव अनुसार सम्पर्क करें- 11बजे से शाम 5बजे, शारदा मेडिकल एजेन्सी 35,36 मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (40390)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर इंदौर देवास रीवा शहडोल मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 6268044316, 9201024747 (351)

आवश्यकता है- टूव्हीलर शोरूम में काम के लिए सेल्स गर्ल-2, टेक्नीशियन- 1, वॉशिंग बॉय-2 की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हीरो उर्मिला मोटर्स बेलगहना रोड कोटा 9340252857 (40435)

आवश्यकता है- अनुभवी सिविल इंजीनियर (B.E civil) 1पद की (जो साइट पर काम करा सके) अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सत्य साईं बिल्डर फर्स्ट फ्लोर राजीव प्लाजा बिलासपुर 94255 30627 (40422)

आवश्यकता है- सिविल सुपरवाइजर चाहिए। अनुभवी 10वर्ष पता- खुशी कंस्ट्रक्शन 9516801320 टिफिन सेन्टर में नाश्ता, खाना बनाने हेतु कारीगर, बर्तन धोने हेतु महिला, टिफिन सप्लाई हेतु लड़के पता- खुशी टिफिन सेन्टर 9516801320 (40426)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सुबह 10बजे से रात 9बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (40419)

आवश्यकता है- FMCG डिस्ट्रीब्यूटर (lays, कुरकुरे और अन्य) में इंटर्नशिप हेतु ऑफिस, सेल्स, गोदाम कार्य हेतु पुरुष, महिला स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चोपड़ा बिल्डिंग FCI रोड तारबाहर, बिलासपुर 91119 70228 8959080574 (40405)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़कों की आवश्यकता हैं जिन्हें Tally एवं Busy Software में कार्य का अनुभव हो सम्पर्क करें- अनिश ऑटोमोबाइल्स, नटराज होटल के बगल में लिंक रोड, बिलासपुर 93995 12699 (40421)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले कि आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 13000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 (40416)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 93011 86703, 8253010291, 8085233213, 72230 26026 (40406)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कम्पनी में 18 चक्का ट्रक ट्रेलर ड्राइवर (ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य), हेल्पर, मेंटेनेन्स स्टाफ मुंशी, सुपरवाइजर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुभव, अनुसार, कार्य स्थान लोखंडी, जयरामनगर सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से शाम 5बजे तक, 7566194517 (40415)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य, टेलीकॉलिंग हेतु महिला एवं युवतियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है उम्र 35 तक योग्यता 10वीं से ग्रेजुएशन सैलरी 5000 से 10000 सम्पर्क करें- मन्दिर चौक बिलासपुर 08982 373586 (40322)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल निकालने, जमाने हेतु लड़कियों, पैकिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सलूजा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा (40430)

आवश्यकता है- रायपुर एवम भिलाई सहित केंद्र सरकार के प्रतिष्ठित संस्थान हेतु सुरक्षा गार्डो की आवश्यकता है । न्यूनतम योग्यता 10 वी पास उचाई 5'6'' फिट उम्र 23-44 साल के बीच वेतन लगभग 20000/- मासिक सम्पर्क सी. डी.ओ. सिक्योरिटी मो. 7974912977 (247)

आवश्यकता है- रायपुर छ. ग. में टेलीकॉलर एवं ऑफिस कार्य हेतु 08 लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन - 12000-25000 तक योग्यता- स्नातक एवं कंप्यूटर की जानकारी होना अनिवार्य है। संपर्क करें- +91 83053 08100 (845)

आवश्यकता है- रायपुर, महासमुंद,रायगढ मे सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर फील्ड आफिसर, कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें-9201958117, 9201958114, 786923 0888 (6616)

बेचना है

बेचना है- तीन एकड़ का सर्वसुविधायुक्त फार्म हाउस एवं उसी में संचालित फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट ग्राम पंचायत गनियारी गांव से लगा हुआ है बेचना है खरीददार ही सम्पर्क 7000773172 (40460)

बेचना है- बुधिया काम्प्लेक्स सरकंडा मेन रोड फेसिंग 10×23 (230 वर्गफिट) स्टेट बैंक सरकंडा से लगी दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 9340094419 (40459)

भोपाल में प्रोपर्टी खरीदना है
भोपाल शहर की विकसित कॉलोनीयों में होशंगाबाद रोड, कोलार रोड, में जमीन, प्लाट एवं बंगले खरीदना है
वास्तविक विक्रेता सम्पर्क करें
9826092344

बेचना है- सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र मकान 2BHK, पूर्व मुखी, डबल रोड, आसमा सिटी एवं सर्वसुविधायुक्त 2BHK फ्लैट, सेकेण्ड फ्लोर होटल आनन्दा इंपिरियल के बगल, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर। सम्पर्क करें- 7999133429 (40429)

बेचना है- सकरी मेन रोड, जैन इंटरनेशनल स्कूल के पास विकसित कॉलोनी में कमर्शियल शॉप्स। बेहतर रेन्टल इंकम। मुख्य सड़क से लगी पॉश कॉलोनी 3BHK प्रीमियम लग्जरी हाउस बेचना है सुविधाएं अंडर ग्राउंड इलेक्ट्रीसिटी, 24×7 CCTV, क्लब हाउस, गार्डन, मन्दिर सीमित यूनिट्स सम्पर्क- 7799957000, 8109412221 (40424)

किराया

किराये से देना है- नारियल कोठी दयालबंद बिलासपुर में 9 कमरे का हॉस्टल 18 लोगों हेतु 2500/- प्रति स्टूडेंट साथ ही 5 लोगों के ग्रुप (स्टूडेंट या जॉब) वाले हेतु सेप्रेट 2 फुल फर्निश्ड कमरे मॉड्यूलर किचन अटैच वॉशरूम सहित 15000/- रु. में किराए से देना है। संपर्क करें - 9575843538, 76105 91966. (6623)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाये।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

किराया- बाबूजी एम्पायर, अशोक नगर चौक, सीपत रोड बिलासपुर में 10000 वर्गफिट काम्प्लेक्स में शॉपिंग मॉल, कोचिंग, ऑफिस एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु किराए से देना है। सम्पर्क करें- 9827198371, 99071 03707 (40321)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए- हिंदू (महार)- 34/5''6, गोरा, स्मार्ट, ग्रेज्युएट, लड़का मासिक आय - 35,000 + 55,000 नोकरी + बिजनेस हेतु- गोरी -खुबसुरत लड़की चाहिए संपर्क करें 9890502587 (6624)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों की परीक्षा

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को आईपीएल में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था, जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है, जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

एलएसजी का अभियान नहीं रहा अच्छा

एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई, जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम में रणनीतिक फेरबदल भी काम नहीं आया।

सनराइजर्स ने की लय हासिल

जहां तक सनराइजर्स की बात है तो उसने अपने पहले मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से मिली हार के बाद लय हासिल कर ली है। केकेआर के खिलाफ उसकी बल्लेबाजी इकाई ने शानदार प्रदर्शन किया। ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की फॉर्म में वापसी उसके लिए अच्छे संकेत हैं। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है।

दूसरी जीत की तलाश में आरसीबी, सीएसके के लिए बॉलिंग चुनौती

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है।

आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है।

आज शाम 7.30 बजे से दोनों टीमों में मुकाबला

सीएसके के गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत

जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे। चेपॉक में ओस का नामोनिशान नहीं होने के बावजूद दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

आरसीबी ने किया गेंदबाजी में सुधार

आरसीबी ने अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया।आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है।

खबर संक्षेप

प्रणवी और अवनी ने कट में बनाई जगह

लास वेगास। भारत की शीर्ष खिलाड़ी अदिति अशोक ने अरामको गोल्फ चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा जबकि प्रणवी उर्स और अवनी प्रशांत ने भी कट में जगह बनाई। हीरो महिला इंडियन ओपन सहित पांच बार की एलईटी विजेता अदिति ने दूसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड में शीर्ष 15 में जगह बनाई। पहले दौर में उन्होंने 73 का स्कोर बनाया था। कट हासिल करने वाली अन्य दो भारतीय खिलाड़ी प्रणवी (76-75) और अवनी (75-76) हैं। यह दोनों सात ओवर पार के स्कोर के साथ संयुक्त 59वें स्थान पर हैं।

इंटरनेशनल सीरीज : कोचर शीर्ष पांच में बरकरार

चीबा। भारतीय गोल्फर करणदीप कोचर ने इंटरनेशनल सीरीज जापान के तीसरे दौर में 73 का कार्ड खेला,

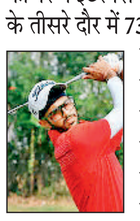

जिससे वह खिसककर संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए। पहले दो दिन कोचर ने बोगी मुक्त 67 और 65 के कार्ड खेले थे। तीसरे दिन हवा भरे दिन में वह पांच बोगी कर बैठे और तीन बर्डी ही लगा सके। अब वह आठ अंडर के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं जबकि दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए थे।

युवा भारतीय बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी: पोंटिंग

चेन्नई। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने टीम में शामिल भारतीय खिलाड़ियों को विशेष प्रतिभा का धनी करार देते हुए कहा कि उनका लक्ष्य इन खिलाड़ियों को लेकर टीम को नए सिरे से तैयार करना था। पोंटिंग ने कहा, ‘ हमारे युवा भारतीय खिलाड़ी विशेषकर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज विशेष प्रतिभा के धनी हैं। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के कुछ खिलाड़ियों को लेकर टीम तैयार करने के लिए नीलामी (2024) से पहले हमारी स्पष्ट रणनीति थी कि हम इस पूरी टीम को नए सिरे से तैयार करेंगे, एक फ्रेंचाइजी के रूप में बदलाव लाएंगे और अलग पहचान बनाएंगे।’

आईपीएल : रिजवी ने सिर्फ 51 गेंदों में बनाए 90 रन

दिल्ली की लगातार दूसरी जीत, रिजवी के तूफान के आगे मुंबई इंडियंस पस्त

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल के मौजूदा सीजन में दिल्ली कैपिटल्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मुंबई इंडियंस को अपने घर में पटखनी दे दी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने 162 रनों का सम्मानजनक स्कोर बनाया था, जिसे दिल्ली ने 18.2 ओवरों में ही 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। दिल्ली की जीत के सबसे बड़े नायक समीर रिजवी रहे। रिजवी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से मुंबई के गेंदबाजों को संभलने का मौका नहीं दिया। रिजवी ने मात्र 51 गेंदों में 90 रन बनाए, जिसमें 7 गगनचुंबी छक्के और 7 चौके शामिल थे। उन्होंने डेविड मिलर के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 78 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह रिजवी का इस आईपीएल सीजन का तीसरा और लगातार दूसरा अर्धशतक है, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म और सकारात्मक खेल शैली को दर्शाता है।

गेंदबाजी चुनौती

मिचेल सैंटनर ने बल्ले से नाबाद 18 रन बनाने के अलावा पाथुम निसांका (44 रन) का महत्वपूर्ण विकेट भी लिया, लेकिन रिजवी के तूफान के आगे मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण बेअसर साबित हुआ। वहीं दिल्ली के गेंदबाजों ने शुरुआत से ही मुंबई पर दबाव बनाए रखा। मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 विकेट झटके। उनके अलावा अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, विपराज निगम और टी नटराजन ने 1-1 विकेट लेकर मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका।

टर्निंग पॉइंट्स

रिजवी की एंट्री : इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए रिजवी ने खेल का रुख पूरी तरह दिल्ली की ओर मोड़ दिया। मयंक मार्कंडे ने पाथुम निसांका का शानदार कैच लपका, लेकिन रिजवी और मिलर की साझेदारी ने मुंबई की वापसी की उम्मीदें खत्म कर दीं। मिलर ने एक छोर संभाले रखा, जिससे रिजवी को दूसरे छोर से खुलकर खेलने की आजादी मिली।

रोहित ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

आईपीएल में एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में रोहित अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पहले दो पोजीशन पर क्रिस गेल का नाम है। गेल ने आईपीएल में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 50 से अधिक छक्के लगाए हैं। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 61 और कोलकाता के खिलाफ 54 छक्के लगाए हैं। वहीं उसके बाद रोहित शर्मा का नाम है, उन्होंने दिल्ली के खिलाफ 51 छक्के लगाए हैं। इसके बाद लिस्ट में एमएस धोनी का नाम है, उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं।

सूर्यकुमार की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का संघर्ष

नियमित कप्तान हार्दिक पंड्या के पूरी तरह फिट न होने के कारण टीम की कमान सूर्यकुमार यादव ने संभाली। सूर्यकुमार ने कप्तानी पारी खेलते हुए 51 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 35 रनों का योगदान दिया। पहले बैटिंग करते हुए मुंबई ने रयान रिकल्टन (9) और तिलक वर्मा (0) को एक ही ओवर में गंवा दिया। दोनों को मुकेश कुमार ने वापस भेजा। ऐसे में रोहित ने सूर्या के साथ मिलकर पारी को संभाली। दोनों के बीच 53 रन की साझेदारी हुई। रोहित अच्छे रंग में लग रहे थे। अक्षर पटेल ने उनकी पारी का अंत किया और नीतीश राणा के हाथों कैच कराया। शेरफेन रदरफॉर्ड फिर नहीं चले और पांच रन बना पाए। सूर्या तीन चौकों व दो छक्कों से 51 रन बनाने के बाद एनगिडी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। आखिरी ओवर्स में नमन धीर (28), मिचेल सैंटनर (18) और कॉर्बिन बॉश (11) ने अहम रन जुटाए। इससे मुंबई की टीम 150 के पार चली गई। दिल्ली की तरफ से मुकेश ने सर्वाधिक दो तो एनगिडी, अक्षर, विप्रज निगम व नटराजन को एक-एक सफलता मिली।

राजस्थान की जीत, अंतिम गेंद पर 6 रन से हारा गुजरात

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 रनों से हरा दिया है। साई सुदर्शन जब तक क्रीज पर थे, तब तक गुजरात की जीत आसान लग रही थी। सुदर्शन 73 रन बनाकर आउट हुए और उनका विकेट गिरते ही जीटी का बैटिंग लाइन-अप ढह गया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में राजस्थान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 210 रन बनाए थे, जिसके जवाब में गुजरात की टीम ने 204 रन बना लिए थे, लेकिन तुषार देशपांडे ने अंतिम ओवर में सिर्फ 4 रन देकर राजस्थान की जीत सुनिश्चित की।

■ लास्ट 12 गेंद में नहीं बनी 15 रन

राजस्थान रॉयल्स की टीम टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने आई थी। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के बीच 70 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप हुई। जायसवाल ने 55 रन, सूर्यवंशी 31 रन बनाए लेकिन आरआर टीम के लिए सबसे बड़ा स्कोर ध्रुव जुरेल ने बनाया, जिनके बल्ले से 75 रनों की पारी निकली। इस तरह राजस्थान की टीम स्कोरबोर्ड पर 210 रन लगाने में कामयाब रही।

अंतिम 2 ओवरों में पलटा मैच

211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस ने 18वें ओवर तक 196 रन बना लिए थे। 12 गेंद में सिर्फ 15 रन बनाने थे, राशिद खान और कगिसो रबाड़ा क्रीज पर सेट हो चुके थे। इसी बीच 19वें ओवर में जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी करने आए। इस ओवर में उन्होंने सिर्फ 4 रन दिए, जिससे राजस्थान मैच में वापसी कर चुकी थी।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से जीती वनडे सीरीज, मैडी ग्रीन लगाया शतक

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2-1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए, जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा।

दक्षिण अफ्रीकी टीम 240 रन पर आउट

इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाईं। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4-1 से जीती थी।

पंजाब के कप्तान अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। पि छ ली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के अनुसार, ‘पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।’ इसमें कहा गया है, ‘इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपए या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से, जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।’

भारत ने सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया

18 साल की पायल ने शीतल को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी ▶▶| बैंकॉक

दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा चुकी युवा तीरंदाज पायल नाग ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी को हराकर स्वर्ण पदक जीता और भारत के शानदार प्रदर्शन की अगुआई की, जिसमें देश ने कुल सात स्वर्ण पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया।

18 साल की उभरती हुई तीरंदाज पायल ने कंपाउंड महिला वर्ग के फाइनल में 139-136 से जीत हासिल की। भारत के लिए अभियान यादगार रहा, जिसमें देश ने पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 16 पदक जीते।

बैंकॉक पैरा तीरंदाजी में शीर्ष पर भारत

पायल की शीतल पर दूसरी जीत

पायल की यह एक साल से थोड़े ज्यादा समय में शीतल पर दूसरी जीत थी। इससे पहले उन्होंने जनवरी 2025 में जयपुर में हुए पैरा राष्ट्रीय खेलों में भी शीतल को हराया था। दुबई 2025 एशियाई युवा पैरा खेलों में पदार्पण करने के बाद पायल अपने दूसरे ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने दबाव के बावजूद जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने से ज्यादा अनुभवी खिलाड़ी को मात दी। पायल ने एक परफेक्ट ‘10’ के साथ शुरुआत की और पहला दौर 27-25 से अपने नाम किया। इसके बाद शीतल ने वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। दूसरे दौर के बाद स्कोर 54-54 से बराबर था। तीसरे दौर में पायल ने अपने खेल का स्तर और ऊंचा करते हुए दो बार ‘9’ और एक बार ‘10’ का निशाना लगाते हुए 82-80 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने आखिरी दौर में दो बार ‘10’ का सटीक निशाना लगाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

प्रवासी मजदूर की बेटी हैं पायल

शीतल के बचपन के कोच कुलदीप वेदवान से प्रशिक्षण लेने वाली पायल की अब तक की यात्रा किसी चमत्कार से कम नहीं रही है। ओडिशा के बोलांगीर जिले के एक प्रवासी मजदूर की बेटी पायल ने 2015 में ईंट-भट्ठे पर बिजली के एक नंगे तार के संपर्क में आने के बाद अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए थे।

ACB (INDIA) LTD. (2X30MW TPP)
NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: ACBIL/ 2x30MW TPP/ASH TRANSPORTATION/2026-27/APR - 02

Description of work:

We ACB (INDIA) LTD., 2x30 MW Thermal Power Plant at Village- Chakabura, Tehsil: Katghora, Dist Korba (CG), require competent agency for Transportation of Fly Ash from Chakabura to low lying area, Stone quarry or abandoned mines (other than SECL/CIL) located near Katghora, Korba area e.g. Podi-Uproda, Katghora or nearby Korba area for a distance within 50 Kms from Chakabura.

Details as below:

Transportation of Ash by self-tippling Tipper/Trucks dully covered with Tarpaulin or Suitable mean as per applicable MOEF & CC Notifications and guidelines from Chakabura to designated location at low lying area, abandoned stone quarry or closed mines (other than CIL/SECL mines).

Total Quantity and Rates:

Estimated quantity of ash to be transported is approximate basis, which is initially about 80,000MT this may vary based on requirement at backfilling site and ash availability in transit silo as per plant operation level. This quantity may further be increased or reduced subsequently as per mutual agreement.

Interested and eligible bidder may collect Detailed Tender Document with written request for issuance of tender documents at “ACB India Ltd., 2x30MW TPP, Chakabura” from below mentioned address & submit their bids. Please note that tender document will neither be issued over mail or whatsapp nor such requests will be entertained. Bidder shall quote the rate in INR in sealed envelope as below:

Transportation charges of fly ash from Chakabura to low lying area, Stone quarry or abandoned mines (other than SECL/CIL) located near Korba area e.g. Podi-Uproda, Katghora or nearby Korba area within a distance of 50 Kms from Chakabura **as per details mentioned in tender documents.**

Above includes all expenses and complying all applicable terms and conditions of Pollution Control Boards, various applicable notifications, Orders, guidelines, etc..

Tender will available: from 06.04.2026 at 11.00 Hrs. to 12.04.2026 at 17.00 hrs.

Last date of Bid submission: 13.04.2026 at 17.00 Hrs.

Contact person: Mr. Murli Prasad Uranw, Contact No: 9630747939 E-mail:operation.2x30mw@acbindia.com

Address: ACB (India) Ltd. 2x30MW TPP, Village- Chakabura, Teh- Katghora, Dist- Korba (CG)

- S/d-
ACB (India) Ltd. (2X30MW TPP)

ACB (INDIA) LTD. (2X30MW TPP)
NOTICE INVITING TENDER

Ref. No: ACBIL/ 2x30MW TPP/ASH loading unloading/2026-27/APR - 01

Description of work:

We ACB (INDIA) LTD., 2x30 MW Thermal Power Plant at Village- Chakabura, Tehsil Katghora, Dist Korba (CG), require competent agency for loading from TPP site, unloading and compaction & covering with soil etc. at low lying area, stone quarry or abandoned mines (other than SECL/CIL) located near Korba area e.g. Podi-Uproda, Katghora or nearby Korba area within a distance of 50 Kms from Chakabura.

Details as below:

1. Loading of ash/ash mound by pocklain/excavator from plant.
2. Unloading, dozing & levelling of transported ash at identified location low lying area, stone quarry, abandoned mines (other than SECL/CIL).
3. Compaction and covering with soil Min 500 mm thick layer.

Total Quantity and Rates:

Estimated quantity of ash to be loaded and unloaded is approximate basis which is initially about 80,000MT this may vary based on requirement at backfilling site and as per plant operation level. This quantity may further be increased or reduced subsequently based on mutual agreement.

Interested and eligible bidder may collect Detailed Tender Document with written request for issuance of bid at “ACB India Ltd., 2x30MW TPP, Chakabura” from below mentioned address & submit their bids. Please note that tender document will neither be issued over mail or whatsapp nor such requests will be entertained. Bidder shall quote the rate in INR in sealed envelope as below:

A. Loading of ash by Pocklain: **as per details mentioned in tender documents** (if fly ash loaded from silo, loading charge will not applicable).

B. Unloading, dozing & levelling: **as per details mentioned in tender documents.**

C. Compaction & covering with soil min 500MM thick layer including soil cost, transportation, and compaction by mechanical means, water sprinkling by water tanker etc. complete **as per details mentioned in tender documents**

Above includes all expenses and complying all applicable terms and conditions of Pollution control Boards, various applicable notifications, Orders, guidelines, etc.

Tender will available: from 06.04.2026 at 11.00 Hrs. to 12.04.2026 at 17.00 hrs.

Last date of Bid submission: 13.04.2026 at 17.00 Hrs.

Contact person: Mr. Murli Prasad Uranw, Contact No: 9630747939 E-mail:operation.2x30mw@acbindia.com

Address: ACB (India) Ltd. 2x30MW TPP, Village- Chakabura, Teh- Katghora, Dist- Korba (CG)

- S/d-
ACB (India) Ltd. (2X30MW TPP)

अंतरिक्ष से ऐसी दिखती है हमारी पृथ्वी, नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने भेजी तस्वीरें

नासा। पृथ्वी जहां हम-आप रह रहे हैं, वह कितनी खूबसूरत है, इस तस्वीर को देखकर आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं। नासा के आर्टेमिस-II मिशन ने यह तस्वीर साझा की है। गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है। शुक्रवार को वह पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकला. अगले 4 दिन अंतरिक्ष में सफर करने के बाद आर्टेमिस-2 मिशन चांद पर पहुंचेगा। अर्थ आर्बिट से बाहर निकलने के बाद शुक्रवार को आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की दो-तीन तस्वीरें भेजी. पृथ्वी की इन तस्वीरों को नासा के ऑफिसियल एक्स अकाउंट से साझा किया गया है।

गुरुवार को लॉन्च हुई आर्टेमिस-2 मिशन अब चांद की ओर बढ़ रहा है

नीले-भूरे रंगों से जगमगा रही पृथ्वी

नासा ने अंतरिक्ष से ली गई पूरी पृथ्वी की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा- हम अपने ग्रह को पूरी तरह से देख पा रहे हैं, जो नीले और भूरे रंगों की शानदार रोशनी से जगमगा रहा है। यहां तक कि एक हरी ऑरोरा (ध्रुवीय ज्योति) भी इसके वातावरण को रोशन कर रही है। यह हम ही हैं, हम सब मिलकर जो अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चांद की ओर बढ़ते हुए देख रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर साझा करते हुए नासा ने लिखा- हमारे अपने ग्रह की कुछ शानदार, हाई-रिज़ॉल्यूशन वाली नई तस्वीरें हमारे पास हैं। हम सभी ओरियन कैप्सूल की खिड़की से अपने आर्टेमिस-II अंतरिक्ष यात्रियों को देख रहे हैं, जो अपनी चाँद की यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। नासा की ओर से साझा की गई इन दोनों तस्वीरों में पृथ्वी नीले-भूरे रंगे की रोशनी से रंगी नजर आ रही है। खुले नजरों से हम पृथ्वी पर नदी, मैदान, पहाड़, जंगल, समुंद्र देखते हैं, लेकिन अंतरिक्ष से हमारा घर नीले-भूरे रंग के नायाब फुटबॉल का नजर

आर्टेमिस-2 नासा का एक 'U-टर्न' मिशन

मालूम हो कि आर्टेमिस-2 एक 'U-टर्न' मिशन है। मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री चांद के पीछे से चक्कर लगाकर सीधे धरती की ओर वापस लौटेंगे। इस दौरान वे करीब 4 लाख किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। अब ओरियन कैप्सूल अपनी करीब 3.84 लाख किलोमीटर लंबी यात्रा पर निकल चुका है।

चंद्रमा के साथ-साथ मंगल के लिए भी खास है यह मिशन

नासा ने कैनेडी स्पेस सेंटर 'आर्टेमिस-II मिशन' को लॉन्च किया है। अमेरिकी समय के अनुसार, शाम 6 बजकर 24 मिनट (भारतीय समयानुसार गुरुवार सुबह 3:54 बजे) से यह मिशन शुरू हुआ. इस मून मिशन में चार अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा की परिक्रमा के लिए भेजा गया है। आर्टेमिस II भविष्य में चंद्रमा पर उतरने के साथ-साथ मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने जैसे अगले बड़े कदम का रास्ता साफ करेगा।

रोचक खबरें

वैज्ञानिकों के हाथ लगा चंद्रमा का 'केमिकल कोड'

आर्टेमिस-II मिशन के बीच, वैज्ञानिकों ने अपोलो 17 मिशन द्वारा लाए गए चंद्रमा के पत्थरों में 'इल्मेनाइट' खनिज का एनालिसिस किया है। एडवांस्ड इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के जरिए पता चला कि चंद्रमा की प्राचीन चट्टानों में टाइटेनियम के केमिकल सिग्नेचर छिपे हैं। यह खोज बताती है कि करीब 3.8 अरब साल पहले चंद्रमा के आंतरिक हिस्से में ऑक्सीजन की उपलब्धता कैसी थी। यह रिसर्च पृथ्वी और चंद्रमा के साझा इतिहास को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। वैज्ञानिक अब अपोलो मिशन के पुराने सैंपल्स के साथ-साथ आर्टेमिस II मिशन और चीन के चांग'ई-6 द्वारा लाए गए सैंपल्स की भी जांच करने की योजना बना रहे हैं। इस नई तकनीक से चंद्रमा के उन हिस्सों का भी इतिहास पता चलेगा जो अब तक अनछुए हैं। लैब में किए जाने वाले प्रयोगों से यह समझने में मदद मिलेगी कि मैग्मा में ऑक्सीजन की कमी किस तरह टाइटेनियम के चार्ज को बदलती है। इससे हम प्राचीन चंद्रमा के 'मैग्मा महासागरों' के इतिहास को फिर से लिख पाएंगे।

कम कीमत, बड़ी तबाही...ईरान का शाहेद ड्रोन जिसने अमेरिका को भी छका दिया

अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए एक महीने से ज्यादा हो चुका है। इस युद्ध में ईरान सरेंडर करने को तैयार नहीं है। अमेरिका का दावा है कि उसने ईरान की नौसेना, एयर फोर्स और मिसाइल क्षमता को काफी हद तक तबाह कर दिया है, लेकिन इसके बावजूद ईरान लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। उसकी ओर से खाड़ी देशों को निशाना बनाया जा रहा है। यहां तक दावा किया गया है कि अमेरिका के दो फाइटर जेट भी मार गिराए गए हैं। इन तमाम चुनौतियों के बीच ईरान, अमेरिका और इजरायल जैसी शक्तियों के सामने इसलिए डटा हुआ है क्योंकि उसने कम कीमत में ज्यादा तबाही मचाने वाले शाहेद ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। इसे 'कामिकाज़े ड्रोन' भी कहा जाता है।

एक महीने से ज्यादा हो चुका है अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान का युद्ध शुरू हुए

तेहरान। ईरान ने 2021 में शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया था। इसके बाद 2022 में रूस ने भी यूक्रेन युद्ध में इन्हीं ड्रोन का इस्तेमाल किया, जिससे इनकी मारक क्षमता पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई। नीचे दिए गए इंफोग्राफिक के जरिए आप ईरान की इस अहम ताकत-शाहेद ड्रोन के बारे में आसानी से समझ सकते हैं। यह एक मूविंग इंफोग्राफिक है, जिसमें ड्रोन की मूवमेंट और हमले का तरीका भी दिखाया गया है कि कैसे खाड़ी देशों को निशाना बनाया जाता है।

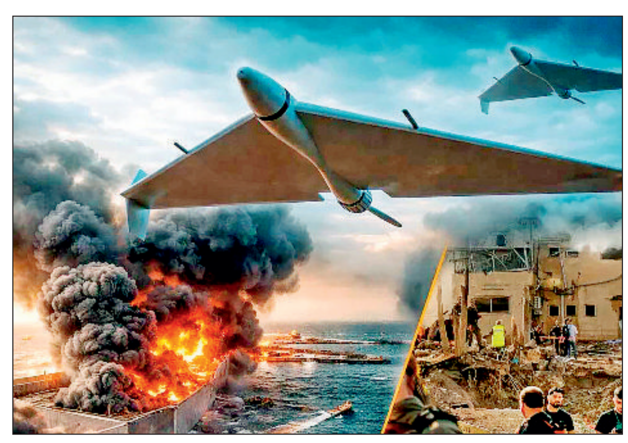

यह है खासियत : शाहेद ड्रोन की सबसे बड़ी खासियत इसकी लंबी रेंज है। यह करीब 2000 से 2500 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है। इसके साथ ही इसमें 30 से 50 किलोग्राम तक का हाई एक्सप्लोसिव फ्रैगमेंटेशन वॉरहेड लगाया जा सकता है। मौजूदा युद्ध में भी ईरान इन ड्रोन का इस्तेमाल कर अमेरिका और इजरायल की रक्षा प्रणाली को थकाने की कोशिश कर रहा है। असल में, ईरान सस्ते ड्रोन लॉन्च करता है, जबकि उन्हें रोकने के लिए अमेरिका को बेहद महंगे मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ता है।

मुख्य खतरा

स्वार्म अटैक से एक साथ कई ड्रोन। कम ऊंचाई पर उड़ान से रडार को चकमा। एयर डिफेंस को थका देता है। शाहेद-136 एक कामिकाज ड्रोन है जो टारगेट से टकराकर खुद को नष्ट करता है। डेल्टा विंग डिजाइन और GPS+INS गाइडेंस से पहले से प्रोग्राम्ड टारगेट पर सटीक हमला करता है। मिसाइल की तुलना में बेहद सस्ता होने के कारण यह आधुनिक युद्ध में बड़ा खतरा बन चुका है।

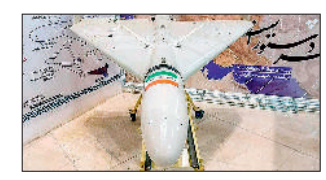

ईरान का घातक हथियार – ड्रोन विश्लेषण

शाहेद-136: कम कीमत, बड़ी तबाही
ईरान का कामिकाज ड्रोन : घुमावदार उड़ान पथ पर हमला
- ईरान इराक सीरिया यमन सऊदी अरब यूक्रेन रूस खाड़ी **UAE BHR** सनआ लॉन्च पॉइंट तेहरान मुख्यालय यूक्रेन हमले का निशाना खाड़ी टारगेट 2000-2500 किमी कम ऊंचाई पर उड़ान रडार डिटेक्शन मुश्किल

स्पीड: 185 किमी/घंटा **GPS + INS** गाइडेड
शाहेद-136: तकनीकी विशेषताएं
अधिकतम स्पीड
185 किमी/घंटा

हाईकोर्ट ने कहा- किसी भी अधिकारी को कानून की सीमाओं के भीतर ही कार्य करना चाहिए

महिला आयोग के निर्देश पर युवती को नारी निकेतन में भेजने के खिलाफ याचिका

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने कहा है कि वैधानिक शक्तियों का प्रयोग करने वाले किसी भी प्राधिकारी को कानून की सीमाओं के भीतर ही सख्ती से कार्य करना चाहिए। किसी भी वयस्क व्यक्ति की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को, कानून द्वारा स्थापित उचित प्रक्रिया के अनुसार ही, सीमित कर सकता है; अन्यथा नहीं। इसके साथ कोर्ट ने याचिका को निराकृत कर दिया है। यह आदेश हाईकोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के आदेश पर व्यस्क, मानसिक रूप से स्वस्थ युवती को नारी निकेतन में रखे जाने के खिलाफ पेश याचिका पर कहा।

धमतरी जिला निवासी महिला ने छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग रायपुर से एक युवती के खिलाफ शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि युवती का उसके पति के साथ अवैध संबंध है। आयोग ने दोनों पक्षों को बुलाया एवं चर्चा उपरांत 12 मार्च 2026 को युवती को नारी निकेतन रायपुर में रखने का आदेश दिया। आयोग के निर्देश पर युवती को ऑब्जर्वेशन होम रायपुर भेजा गया। इस मामले में युवती की मां ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पेश की।

याचिका में कहा गया कि नियमों के तहत किसी बालिग महिला को नारी निकेतन में हिरासत में रखने का कोई अधिकार नहीं है। याचिका में युवती को अवैध हिरासत से मुक्त कराने एवं क्षतिपूर्ति दिलाए जाने की मांग की गई थी। यह भी कोर्ट को बताया गया कि उसकी बेटी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया गया है और किसी भी सक्षम न्यायालय ने कोई हिरासत आदेश पारित नहीं किया है, उसे कानून के किसी भी अधिकार के बिना ऑब्ज़र्वेशन होम में रखा गया। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डीबी में हुई।

सामाजिक व्यवस्था के तहत की थी कार्रवाई

डीबी ने महिला आयोग सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। आयोग की ओर से कहा गया कि युवती को अथॉरिटी ने सुरक्षा पक्का करने और उठाई गई शिकायत को दूर करने के लिए कार्रवाई की। यह कहा गया है कि कार्रवाई अच्छी नीयत से और सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि कार्रवाई के दौरान, पार्टियों के बीच स्थिति का आंकलन किया गया और उसी के अनुसार ज़रूरी कदम उठाए गए। शासन की ओर से कहा गया कि युवती को नारी निकेतन केंद्र से पहले ही रिहा कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने याचिका निराकृत कर दी।

कलेक्टर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार बदलने का अधिकार नहीं- हाईकोर्ट

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने कहा है कि कलेक्टर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी का प्रभार बदलने का अधिकार नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने जनपद पंचायत गौरेला का प्रभार बदलने के आदेश को निरस्त करते हुए फिर से सीईओ के पद में पदस्थ करने का आदेश दिया है।

बिलासपुर निवासी श्रीमती शुभा दामोदर मिश्रा को 18 जून 2025 को सचिव, आदिम जाति विकास विभाग, रायपुर द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत, गौरेला, जिला- जीपीएम के पद पर पदस्थ किया गया था। जून 2025 से जनपद पंचायत, गौरेला में सीईओ के पद कार्य कर रहीं थी। इसी दौरान 11 मार्च 2026 को कलेक्टर, जिला-जीपीएम द्वारा श्रीमती शुभा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत के प्रभार से हटाते हुए उन्हें कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, गौरेला में पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया। उक्त आदेश से क्षुब्ध होकर श्रीमती शुभा द्वारा हाईकोर्ट अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कलेक्टर के आदेश को चुनौती दी गई।

शासन की अनुमति जरूरी

याचिका में कहा गया कि शासन के नियमों के तहत किसी भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत जिन्हे शासन द्वारा उक्त पद पर पदस्थ किया गया है उन्हे उक्त प्रभार से हटाने का अधिकार कलेक्टर को नहीं है। ऐसे सीईओ को शासन की अनुमति और अनुमोदन के बाद ही हटाया जा सकता है। हाईकोर्ट ने इस रिट याचिका को स्वीकार कर कलेक्टर का आदेश निरस्त कर दिया है। साथ ही याचिकाकर्ता को पुनः मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत, गौरेला के पद पर पदस्थ करने का आदेश जारी किया गया।

जज पर जज के घर से गहने चुराने का आरोप

पटियाला। पंजाब के पटियाला जिले की एक कोर्ट ने सिविल जज (जूनियर डिवीजन) बिक्रमदीप सिंह की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। बिक्रमदीप सिंह पर चोरी और घर में जबरन घुसने का आरोप है। पिछले महीने दर्ज किए गए पुलिस मामले के अनुसार, बिक्रमदीप और अन्य लोगों ने कथित तौर पर पिछले साल अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के आवास से सोना और आभूषण चुराए थे। जब घटना वाली रात अस्पताल में उनका निधन हो गया था। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हरिंदर सिद्धू ने 1 अप्रैल को बिक्रमदीप की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं। जिनमें संदिग्ध परिस्थितियों में एक मृत सहकर्मी के आवास से बड़ी मात्रा में सोना और आभूषण गायब करना शामिल है। **यह कहा अदालत ने** : अदालत ने कहा, 'आरोपित अपराध लोक सेवक, विशेषकर न्यायिक अधिकारी से अपेक्षित ईमानदारी पर चोट पहुंचाता है। हालांकि यह आरोप लगाया गया है कि एफआईआर 7 महीने की देरी के बाद दुर्भावनापूर्ण इरादे से दर्ज कराई गई है, लेकिन जांच फाइल से पता चलता है कि शिकायतकर्ता ने पटियाला रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक को एक आवेदन दिया था, जिसे मामले की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक को भेजा गया था। जांच रिकॉर्ड में मौजूद पेनड्राइव में सीसीटीवी फुटेज से जमानती आवेदक को अपने सह-आरोपी के साथ कुछ बक्से और बैग ले जाते हुए परिसर में प्रवेश करते और बाहर निकलते हुए देखा जा सकता है।' **मार्च में मामला दर्ज** : 21 मार्च को, दिवंगत न्यायाधीश कंवलजीत सिंह के पुत्र अंगदपाल सिंह के पावर ऑफ अटॉर्नी डॉ. भूपिंदर सिंह विर्क की शिकायत पर आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। विर्क, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला के विधि विभाग में प्रोफेसर हैं। शिकायत में विर्क ने कहा कि 1 अगस्त, 2025 को अमर अस्पताल में उनके मित्र कंवलजीत सिंह के निधन के बाद, उनकी घरेलू सहायिका अमरजीत कौर उर्फ पिंकी, गौरव गोयल, एक सरकारी अधिकारी और 'एक अज्ञात व्यक्ति' तीन कारों में मृतक न्यायाधीश के आवास पर आए थे।

भारतवंशी रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर पद की दौड़ में

वाशिंगटन। तमिलनाडु में जन्मीं रिनी संपत वाशिंगटन डीसी के मेयर पद के चुनाव में हिस्सा लेने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की 31 वर्षीय सरकारी अनुबंधक का चुनाव अभियान 'बुनियादी चीजों को ठीक करो' के विषय और 'एक नए डीसी' के वादे पर आधारित है। संपत ने अपनी चुनावी वेबसाइट पर कहा, "मैं कोई नेता नहीं हूं। मेरा किसी विशेष हित समूह से कोई संबंध नहीं है। अब समय आ गया है कि कोई बाहर का व्यक्ति हमारे शहर की बुनियादी सेवाओं को सुधारने पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित करे।" तमिलनाडु के थेनी में जन्मीं संपत सात साल की उम्र में अमेरिका आ गईं और एक दशक से अधिक समय से वाशिंगटन डीसी में रह रही हैं। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट है कि हमारे पास जीत की एक वास्तविक राह है। महज चार हफ्तों में मैं वाशिंगटन डीसी के इतिहास में मेयर पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन चुकी हूं। यही वह उपलब्धि है जो एक सीमित संसाधनों वाला, जन-समर्थित अभियान हासिल कर सकता है।

ये संभालते हैं प्रशासन

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त आयुक्तों का एक बोर्ड वाशिंगटन डीसी के प्रशासन का जिम्मा संभालता था। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया का प्रशासन जनता द्वारा चुने गए मेयर और 13 सदस्यीय जिला परिषद द्वारा किया जाता है। संपत ने कहा, "डीसी के मेयर के रूप में मेरी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा शहर अपने निवासियों के प्रति अपनी बुनियादी प्रतिबद्धताओं को पूरा करे। सड़कों के गड्ढे भरें। पोटोमैक नदी में विनाशकारी अपशिष्ट जल रिसाव को रोकें। कीमतें कम करें। पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर प्रतीक्षा समय में सुधार करें।'

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com